

असली आजादी

■ वर्ष: 22, अंक: 19 ■ दमण, बुधवार 07, अक्टूबर, 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

सेवा संकल्प अभियान के तहत दमण के नमो पथ पर आज चलाया जाएगा मेगा बीच क्लिनअप ड्राइव



■ पीएम मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को साकार करने के लिए प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में नमो पथ एवं बीच पर होगी साफ-सफाई

जरिए नागरिकों और पर्यटकों को स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश देना है। साथ ही समुद्र तटों को प्लास्टिक एवं अन्य कचरे से मुक्त रखते हुए दमण की पर्यटन छवि को और बेहतर बनाने पर भी जोर दिया जाएगा। अभियान के दौरान लोगों से स्वच्छता बनाए रखने और सार्वजनिक स्थलों पर कचरा नहीं फैलाने की अपील की जाएगी।

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 06 अक्टूबर। सेवा संकल्प अभियान के तहत संघ प्रदेश प्रशासन द्वारा नानी दमण विस्तार में नमो पथ पर मेगा बीच क्लिनअप ड्राइव चलाया जाएगा। पीएम मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को साकार करने के लिए संघ प्रदेश द्वा

नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में यह मेगा सफाई अभियान आयोजित किया जा रहा है। 7 अक्टूबर को सुबह 6 बजे नमो पथ से मेगा बीच क्लिनअप ड्राइव का शुभारंभ किया जाएगा। इस मेगा बीच क्लिनअप ड्राइव के माध्यम

से नमो पथ और समुद्र तट को साथ सुथरा एवं स्वच्छ बनाया जाएगा। इस मेगा सफाई अभियान में प्रशासन के साथ-साथ बड़ी संख्या में नागरिक एवं सफाई एजेंसिया भी शामिल होंगी। इस मेगा बीच क्लिनअप ड्राइव के आयोजन का मुख्य उद्देश्य इस अभियान के

पी. के. सिंह बने विद्युत उपभोक्ता फोरम डीएनएच डीडी के स्वतंत्र कंज्यूमर मेम्बर

■ पी. के. सिंह ने संभाला पदभार, कहा: उपभोक्ता हित सर्वोपरि

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 06 अक्टूबर। दमण उद्योग प्रबंध विशेषज्ञ पी. के. सिंह को उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच (विद्युत) का कंज्यूमर सदस्य बनाया गया है। संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग (जेईआरसी) ने पी. के. सिंह को उपभोक्ता फोरम डीएनएच डीडी का स्वतंत्र कंज्यूमर मेम्बर नियुक्त किया है। हाल ही बतौर कंज्यूमर मेम्बर पी. के. सिंह की नियुक्ति उपभोक्ता फोरम में हुई है और उन्होंने अपना पदभार भी संभाल लिया है। विद्युत उपभोक्ता फोरम में कंज्यूमर मेम्बर पी. के. सिंह, टोरेट पावर से नियुक्त मेम्बर और चेयरमैन सहित

4 व्यक्तियों का समावेश है। कंज्यूमर मेम्बर पी. के. सिंह अपने 3 वर्षों के कार्यकाल के दौरान उपभोक्ता फोरम की निर्धारित प्रक्रिया अनुसार संघ प्रदेश के तीनों जिलों में विद्युत मामलों से जुड़े विवादों के निपटारे में शामिल होकर अपनी भूमिका निभाएंगे। संघ प्रदेश श्रीडी के विद्युत उपभोक्ता फोरम में स्वतंत्र मेम्बर नियुक्त होने पर पी. के. सिंह को लोगों द्वारा शुभकामनाएं दी जा रही है। पी. के. सिंह वर्तमान में दमण के प्रभावशाली उद्योग संघ दमण इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के दो टर्म से ट्रेजरर हैं। पी. के. सिंह उत्तर भारतीय क्षत्रिय समाज-दमण के



पूर्व अध्यक्ष हैं। पी. के. सिंह वापी एवं धर्माथ संस्थाओं से जुड़कर और दमण की दर्जन भर सामाजिक लोकसेवा का कार्य कर रहे हैं।

घेलवाड भाजपा मंडल की आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में संगठन को मजबूत बनाने पर हुई चर्चा

■ घेलवाड भाजपा मंडल अध्यक्ष हितेश पटेल के नेतृत्व में आयोजित बैठक में सरपंच हिताक्षी पटेल, जिला पंचायत सदस्य अशोक पटेल, दमण जिला भाजपा महामंत्री गणेश भंडारी, किरीट दमणिया, उपसरपंच मीना पटेल की रही मौजूदगी



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 06 अक्टूबर। घेलवाड भाजपा मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। घेलवाड भाजपा मंडल अध्यक्ष हितेश पटेल के नेतृत्व में आयोजित बैठक में घेलवाड सरपंच हिताक्षी पटेल, घेलवाड जिला पंचायत सदस्य अशोक पटेल, दमण जिला भाजपा महामंत्री गणेश भंडारी, किरीट दमणिया, घेलवाड उपसरपंच मीना पटेल सहित पंचायत सदस्यों एवं भाजप कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही। इस बैठक के दौरान घेलवाड भाजपा मंडल के पदाधिकारियों



एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को और मजबूत बनाने के लिए जरूरी चर्चा-विचारणा की।

पोर्टुगल के काउंसिलर जनरल दमण-दीव नागरिकों को डोर-स्टेप पर सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध

दमण-दीव के नागरिकों के लिए नवंबर-दिसंबर में होगा पुर्तगाल वाणिज्य दूतावास का विशेष कैंप

■ दमण में 24 से 27 नवंबर तक, दीव में 30 नवंबर से 4 दिसंबर तक और मुंबई में 7-8 दिसंबर को लगेगा पुर्तगाल वाणिज्य दूतावास का कैंप

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 06 अक्टूबर। दमण-दीव के उन नागरिकों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण और राहत भरी खबर है जो पुर्तगाली पासपोर्ट, नागरिकता या अन्य कांसुलर सेवाओं के लिए मुंबई या गोवा के चक्कर काटते हैं। पुर्तगाल के महावाणिज्य दूतावास (कॉन्सुलेट जनरल ऑफ पोर्तुगल) द्वारा आगामी नवंबर और दिसंबर 2026 में इस क्षेत्र के लोगों के लिए विशेष कांसुलर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कैंप के आयोजन से स्थानीय लोगों को अपने दस्तावेजों से जुड़े कामों के लिए लंबी दूरी तय



करने और अत्यधिक समय बर्बाद करने से मुक्ति मिलेगी। यह कैंप दमण में 24 नवंबर से 27 नवंबर 2026 तक, दीव में 30 नवंबर से 04 दिसंबर 2026 तक और मुंबई में 07 और 08 दिसंबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। दमण-दीव के बहुत से परिवारों से का पुर्तगाल से ऐतिहासिक संबंध रहा है, जिसके कारण बड़ी संख्या में लोग वहां की नागरिकता और पासपोर्ट संबंधी प्रक्रियाओं से जुड़े रहते हैं। स्थानीय स्तर पर ही इस कैंप के लगने से बुजुर्गों, कामकाजी लोगों और छात्रों को सीधे अपने शहर में विशेषज्ञ अधिकारियों से मार्गदर्शन और सेवाएं मिल सकेंगी। इस विशेष कांसुलर कैंप के स्थान, समय, अपॉइंटमेंट और आवश्यक दस्तावेजों की विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए नागरिक सीधे आधिकारिक ईमेल consuladogo.goa@mne.pt पर संपर्क कर सकते हैं। क्षेत्र के सभी पात्र नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

सेवा सेतु कैंप के तहत रांधा और खानवेल ग्राम पंचायतों में हुआ प्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 06 अक्टूबर। संघ प्रदेश द्वाारा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल मार्गदर्शन में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से सेवा सेतु कैंप के तहत प्रशासन आपके द्वार विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में रांधा एवं खानवेल ग्राम पंचायतों में आज सुबह 10 से 5 बजे तक प्रशासन आपके द्वार कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष निशा कुमार तथा विकास एवं आयोजना अधिकारी पंकज परमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम में सहभागिता कर शिविर की शोभा बढ़ाई तथा उपस्थित नागरिकों का उत्साहवर्धन किया। उनके मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी संबोधन से नागरिकों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त हुई तथा अधिकाधिक लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहन मिला। शिविर के दौरान नागरिकों को तथा पात्र लाभार्थियों के आवेदन प्रपत्र भरवाकर उनका पंजीकरण किया गया। साथ ही नागरिकों को योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने हेतु प्रोत्साहित किया गया। शिविर में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, पीएम सूर्य घर, पीएम स्वनिधि, विकसित भारत जी-राम-जी, लखपति दीदी, पीएम किसान सम्मान निधि सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा शिविर को अत्यंत उपयोगी बताया। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी एवं सेवाएं उनके गांवों तक पहुंच रही हैं, जिससे समय एवं संसाधनों की बचत होने के साथ-साथ समस्याओं के समाधान में पारदर्शिता एवं विश्वास भी बढ़ रहा है।

एयरपोर्ट के लेबर कैंप में आग, 33 कमरे जले

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ एयरपोर्ट परिसर में बने लेबर कैंप में मंगलवार सुबह 6:30 बजे आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में तीन मंजिला बिल्डिंग जल गई। धुआं 2 किमी दूर तक दिखाई दिया। तुरंत फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां पहुंचीं। करीब एक घंटे की मशक़त के बाद आग पर काबू पाया। दो मजदूर घायल हुए हैं। एक आग की चपेट में आने से झूलस गया, जबकि दूसरा दूसरी मंजिल से कूदने की वजह से गोटिल हुआ। जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह टर्मिनल से करीब 250–300 मीटर दूर है। इसे मजदूरों के रहने के लिए अस्थायी तौर पर पीवीसी यानी प्लास्टिक से बनाया गया था। यही वजह थी कि आग बहुत तेजी से फैली। हालांकि, इस हादसे से हिमालों के संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। किसी के हाताहत होने की भी सूचना नहीं है। आग कैसे लगी, इसकी जांच की जा रही है। एयरपोर्ट परिसर की इस बिल्डिंग में 33 छोटे कमरे हैं। इसमें करीब 300 मजदूर रहते हैं। वे परिसर में एक होटल का निर्माण कर रहे हैं।

अवैध हथियारों की बिक्री में शामिल युवक पकड़ाया, भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में अवैध हथियारों की बिक्री में शामिल व्यक्ति को सरक्षा बलों ने गिरफ़्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को एक बयान जारी कर बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षा कर्मियों के एक दल ने सोमवार को थम्बलान् बाजार में अभियान चलाया और संदिग्ध को पकड़ा। वह अवैध हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटकों की खरीद और बिक्री में शामिल है। जांच में पता चला कि आरोपी ने जुलाई में दो महिलाओं के जरिए 10,000 रुपये में एक व्यक्ति को एक हथगोला मुहैया कराया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने सोमवार को चुरावापुर जिले के कुकिमुन गांव में बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक जब्त किए। पुलिस के मुताबिक फ़रवरी 9 एमएम कार्बाइन मशीन गन, तीन 9 एमएम पिस्तौल, सात सिंगल बैरल बोल्ट-पड़शन राइफल, एक हैंड ग्रेनेड, एक मोर्टार बम और दो देशी मोर्टार बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि जब हथियार और गोला-बारूद जिले के हेंगलेप पुलिस थाने को सौंप दिए हैं। बता दें मई 2023 में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से सुरक्षा बल मणिपुर के सभी जिलों के सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र पर नियंत्रण के लिए अभियान चला रहे हैं। घाटी में रहने वाले मेइती और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच हुई 2023 में शुरू हुए जातीय संघर्ष में कम से कम 306 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 49 लोग अब भी लापता हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

कर्नाटक में बीयर की बढ़ती खपत से डीके सरकार की ताबड़तोड़ कमाई

बेंगलुरु (एजेंसी)। शराब मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने के बावजूद, राज्य सरकारों के लिए राजस्व का एक बड़ा स्रोत बनी हुई है। इसी कड़ी में, कर्नाटक की डीके शिवकुमार सरकार ने हाल ही में आबकारी विभाग से बबरदस्त कमाई दर्ज की है। जुलाई से सितंबर 2026 के दूसरे क्वार्टर के दौरान, राज्य को 11,595.88 करोड़ का राजस्व मिला, जो पिछले साल इसी अवधि के 10,303.94 करोड़ रुपये से 12.54 प्रतिशत अधिक है। इस महत्वपूर्ण वृद्धि का मुख्य कारण बीयर और इंडियन मेड लिक्वर (आईएमएल) की बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी रही है। कर्नाटक सरकार के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में बीयर की बिक्री में अप्रत्याशित उछाल दिखाई दिया। जुलाई-सितंबर 2026 के दौरान 126.68 लाख केस बॉक्स बीयर बेची गई, जबकि बीते साल यह आंकड़ा 84.63 लाख केस बॉक्स था। यह सालाना आधार पर करीब 49.69 प्रतिशत की भारी वृद्धि को दिखाता है। बीयर की बढ़ती लोकप्रियता का सीधा असर सरकार की आय पर पड़ा, जिससे आबकारी राजस्व 1,234.50 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,463.07 करोड़ रुपये हो गया, जो 18.52 प्रतिशत की बढ़ोतरी है।

नई दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शन से पहले पुलिस नोटिस पर हंगामा, दिपके ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉंग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) संस्थापक अभिजीत दिपके ने आरोप लगाया कि पुलिस दिल्ली में 10 अक्टूबर को होने वाले पार्टी के प्रस्तावित आंदोलन से पहले कार्यकर्ताओं को नोटिस भेजकर उन पर दबाव बना रहा है। दिपके ने बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधकर दावा किया कि एक देश, एक चुनाव सिर्फ एक नारा है और इसका असली मक़सद एक देश, एक राजनीतिक पार्टी स्थापित करना है। सीजेपी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े की मांग को लेकर 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन करने का आह्वांन किया है। छत्रपति संभाजीनगर में प्रेसवार्ता को संबोधित कर दिपके ने बताया कि चंद्रपुर पुलिस ने सीजेपी कार्यकर्ताओं को नोटिस भेजकर उनसे दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन में शामिल न होने को कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने कार्यकर्ताओं के दिल्ली यात्रा खर्च के स्रोत के बारे में भी पूछताछ की। दिपके ने महाराष्ट्र पुलिस को देश की सर्वश्रेष्ठ पुलिस फ़ोर्स बताकर दुख व्यक्त किया कि चंद्रपुर पुलिस ने इस तरह की कार्रवाई की है।

नरेंद्र मोदी, शाह और भागवत देश में लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं: राहुल गांधी

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस योजना में उनकी मदद कर रहे

नई दिल्ली , एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र की सत्ताधारी भाजपा पर बड़ा हमला बोलकर आरोप लगाया कि देश के लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने विपक्षी सांसदों के संसद से चुनाव आयोग तक मार्च को बीच में ही रोकने पर तीखे सवाल उठाए और कहा कि चुनाव आयुक्त हमसे क्यों नहीं मिल रहे हैं? राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पुलिस उन्हें चुनाव आयोग जाने से रोक रही है और धमका रही है, जबकि 300 सांसद उनसे मिलना चाहते थे। राहुल गांधी ने कहा कि करीब 300 सांसदों को चुनाव आयोग के दफ़तर से मात्र 50 मीटर दूर ही रोक दिया गया। उन्होंने सवाल किया कि जब चुने हुए प्रतिनिधि करोड़ों भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हैं, तब उन्हें क्यों रोका जा रहा है? राहुल गांधी ने पूछा, देश में क्या हो रहा है? लोकतंत्र का क्या मतलब है अगर चुनाव आयोग चुने हुए प्रतिनिधियों से ही न मिले? उन्होंने आरोप



लगाया कि चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य चुनाव आयुक्त डरे हुए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि वे केवल भाजपा से मुकाबला नहीं कर रहे, बल्कि उन्हें खत्म कर देने वाले हैं। उन्होंने भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर देश में लोकतंत्र को खत्म करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने

कहा कि पूरा देश और यहां तक कि पुलिसकर्मी भी इस बात से सहमत हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी, अमित शाह और मोहन भागवत ने वोट चोरी के जरिए देश पर कब्जा कर लिया है, और चुनाव आयुक्त कुमार ने इसमें उनकी मदद की है। उन्होंने चेतावनी दी कि इन सभी के खिलाफ कार्रवाई होगी और कहा कि हमारे

देश के साथ जो किया गया है, इस देशद्रोह कहा जाता है, कोई भी बच नहीं पाएगा। विपक्षी गठबंधन इंडिया का मार्च मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुमार को हटाने और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को रद्द करने की मांग को लेकर संसद मार्ग से निर्वाचन आयोग मुख्यालय तक जा रहा था। हालांकि, पुलिस ने उन्हें नीति आयोग के दफ़तर के सामने ही रोक दिया, जिसके बाद विपक्षी सांसद धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान, राहुल गांधी और तुणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी पुलिस बैरिकेड पर चढ़ गए। प्रियंका गांधी वाड्ढा को हिरासत में लिए जाने के लिए एक बस में ले जाया गया, लेकिन वह जल्द ही उतरकर आकाशवाणी भवन परिसर में राहुल गांधी के पास पहुंच गईं। पुलिस ने कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में ले लिया, जिसके बाद धरना खत्म हो गया। हालांकि, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी सहित कई कांग्रेस नेता आकाशवाणी भवन में ही बने रहे।

भ्रष्टाचार से घिरी पंजाब सरकार, राहत के लिए पहुंची सुप्रीम कोर्ट

-हाईकोर्ट दे चुका है सीबीआई जांच का आदेश

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारियों, जिनमें मुख्यमंत्री के एक विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) भी शामिल हैं, पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की सीबीआई जांच के आदेश दिए जाने के बाद पंजाब में सियासी भूचाल आ गया है। इस आदेश को अपनी सरकार पर सीधा हमला मानते हुए भगवंत मान सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख कर लिया है। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने यह पुष्टि की थी कि राज्य सरकार उच्च न्यायालय के इस फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय जाएगी। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा साक्षा किए गए दस्तावेज प्रथम दृष्टया इन अधिकारियों के भ्रष्टाचार में संलिप्त होने का संकेत देते हैं, जिसके बाद

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को जांच सौंपना उचित होगा। जब फैसला ऐसे समय में आया है जब आम आदमी पार्टी (आप) सरकार भ्रष्टाचार के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं की अपनी नीति का लगातार दवा करती रही है। हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद विपक्षी दलों ने राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया है। भाजपा की पंजाब इकाई के अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान से तत्काल इस्तीफे की मांग की। ढिल्लों ने आरोप लगाया कि अदालत के फैसले ने आप सरकार के भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के दावों की पोल खोल दी है। इसी तरह, पंजाब कांग्रेस के नवनिर्मुक्त अध्यक्ष परगट सिंह ने भी उच्च न्यायालय के निर्णय का स्वागत किया और जोर दिया कि जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और तय समय-सीमा के भीतर होनी चाहिए, जिसमें किसी भी प्रकार की देरी या राजनीतिक दबाव की गुंजाइश न हो।

ज्ञानेश से जुड़े 2006 के मामले की केरल सरकार कराएगी जांच... समय को लेकर उठे सवाल

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ केरल सरकार ने करीब दो दशक पुराने मामले में विजिलेंस के केंद्र के आदेश दिए हैं। केरल सरकार में गृह मंत्री रमेश चेन्नित्थला ने 4 अक्टूबर को विजिलेंस एंड एंटी-कॉर्प्शन ब्यूरो (वीएससीबी) को जांच के निर्देश दिए। मामला 2006 में कुमार के केरल लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सचिव रहते केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (केएसटीपी) में कथित अनियमितताओं और मलेशियाई इंजीनियर ली सी बीन को आत्महत्या से जुड़ा है। केएसटीपी के तहत राज्य की प्रमुख सड़कों के उन्नयन का काम हो रहा था। एमसी रोड के एक हिस्से के विकास का करीब 215 करोड़ रुपये का ठेका इंडो-मलेशियन संयुक्त उपक्रम पाटिल-बीईएल को मिला था। परियोजना में जमीन अधिग्रहण में देरी के कारण काम प्रभावित हुआ और भुगतान को लेकर ठेकेदार तथा पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के बीच विवाद सामने आया। रिपोर्ट के

मुताबिक, करीब 17 करोड़ रुपये के भुगतान रोक दिए गए थे। इस दौरान पाटिल-बीईएल के केरल में प्रोजेक्ट मैनेजर ली सी बीन ने 2006 में मलेशिया में आत्महत्या कर ली। रिपोर्टों के अनुसार, उनके कथित सुसाइड नोट में तत्कालीन एंटी-कॉर्प्शन ब्यूरो (वीएससीबी) को जांच के निर्देश दिए। मामला 2006 में कुमार के भुगतान जारी करने में कथित बाधाओं और रिश्तत मांगने के आरोप लगाए थे। हालांकि, वे आरोप उस समय सामने आए थे और मौजूदा जांच का उद्देश्य उनकी सत्यता तथा पूरे मामले की परिस्थितियों की फिर पड़ताल करना है। ली की मौत के बाद 2006 में विजिलेंस जांच शुरू की गई थी। तब ज्ञानेश कुमार को पीडब्ल्यूडी सचिव पद से हटाया गया और बाद में वे केंद्रीय प्रतिनिधुक्ति पर चले गए। पुरानी जांच और नए बहस सक्ती। अब सरकार ने शिकायत के आधार पर उस मामले को फिर खोलने का फैसला किया है। विजिलेंस विभाग 2005-06 के पीडब्ल्यूडी

रिकॉर्ड और पहले हुई जांच से संबंधित दस्तावेजों की समीक्षा कर रहा है। मामले को फिर खोलने का राजनीतिक संदर्भ भी महत्वपूर्ण है। यह कदम तब आया है जब ज्ञानेश कुमार को लेकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विपक्षी दलों का विरोध जारी है और उनके इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं। चुनाव आयोग ने एसआईआर से जुड़े फैसलों को आयोग द्वारा सामूहिक रूप से लिया गया बताया है। केरल सरकार का कहना है कि कानूनी राय लेने के बाद जांच में कोई कानूनी बाधा नहीं पाई गई। वहीं, बीजेपी ने दो दशक पुराने मामले को फिर खोलने के समय और पिछली सरकारों में हुई कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। फिलहाल ज्ञानेश कुमार की ओर से नई विजिलेंस जांच पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। जांच के जरिए अब पुराने आरोपों, परियोजना से जुड़े रिकॉर्ड और पहले की जांच की स्थिति की नए सिरे से पड़ताल की जाएगी।

लोकसभा चुनाव-2029 की बहस के बीच टीवीके इंडिया गठबंधन में शामिल!

विजय की पीएम उम्मीदवारी पर संशय

भाजपा सरकार, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ राजनीतिक मुकाबला और प्रभावी ढंग से लड़ा जा सकेगा। विजय के इस निर्णय को लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह की अटकलें हैं। एक पहलू इसे राजनीतिक मजबूरी से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल, पिछले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके सबसे बड़ा दल बनकर उभरा था, लेकिन उसे केवल 108 सीटें ही मिली थीं। सरकार बनाने के लिए उसे कम से कम 10 कांग्रेस के लिए उसे कम से कम 10 कांग्रेस के लिए उसे कम से कम 10 कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों ने टीवीके का साथ दिया, और वीसीके व

आईयूएमएल जैसे दलों के समर्थन से पार्टी राज्य की सत्ता तक पहुंच पाई। वहीं, इस फैसले को रणनीतिक आवश्यकता के रूप में भी देखा जा रहा है। पहली बात तो यह कि जिस गठबंधन के साथ टीवीके राज्य में सरकार चला रहा है, गठबंधन का ढांचा भी काफी हद तक वैसा ही है। दूसरा, यह कदम टीवीके को लोकसभा चुनाव 2029 में सीटों की मजबूत दावेदारी पेश करने का अवसर देगा, जिससे उसे राष्ट्रीय स्तर पर किसी नए गठबंधन की तलाश या गठन से मुक्ति मिलेगी। शनिवार को हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में कांग्रेस, टीवीके, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी,

वीसीके, एमडीएमके और आईयूएमएल के शीर्ष नेता शामिल हुए। टीवीके का प्रतिनिधित्व अंधव अर्जुन और मारी विल्सन ने किया। टीवीके पहले मजबूती से सी जेसेफ विजय को प्रधानमंत्री पद के अगले चेहरे के तौर पर पेश कर रही थी, जिसके चलते कांग्रेस के साथ उसकी टीखी बयानबाजी भी हुई थी। अर्जुन ने कहा था, मैं आज साफ तौर पर कहता हूँ कि प्रधानमंत्री दक्षिण से ही आना चाहिए और दक्षिण से ही प्रधानमंत्री बनेगा, हो सकता है अभी नहीं। भविष्य में वह हर भारतीय का प्रतिनिधित्व करेगा और हर भारतीय के साथ समान व्यवहार करेगा। अब गठबंधन में शामिल होने के बाद विजय

बद्रीनाथ धाम में 2023 का टूटा रिकॉर्ड, इस साल अब तक 18.67 लाख श्रद्धालु पहुंचे

चमोली (एजेंसी)। बद्रीनाथ धाम की तीर्थयात्रा ने इस साल एक नया रिकॉर्ड बनाया है। अब तक 18.67 लाख से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। तीर्थयात्रियों की संख्या 2023 में बने 18.39 लाख भक्तों के पिछले रिकॉर्ड को पहले ही पार कर चुकी है। बद्रीनाथ धाम आने वाले भक्तों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी के बीच, इस साल अक्टूबर के पहले हफ्ते में ही रिकॉर्ड टूट गया। तीर्थयात्रा में लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए उम्मीद है कि इस साल भक्तों की संख्या 20 लाख का आंकड़ा पार कर जाएगी। अधिकारी और प्रशासन स्थिति पर नज़र रखे हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को 14,000 से ज्यादा भक्त बद्रीनाथ धाम पहुंचे और भगवान बद्री नाथ की पूजा-अर्चना की। तीर्थयात्रा को कड़ी निगरानी और तैयारी के साथ आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भक्तों की सुरक्षा को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी जा रही है। रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी जिलों में आपदा प्रबंधन विभाग को चौबीसों घंटे अलर्ट है। ये जिले चार धाम यात्रा मार्ग से जुड़े अहम जिले हैं। चार धाम यात्रा के दूसरे चरण में मानसून के बाद तीर्थयात्रियों की आवाजाही में फिर से तेजी आई है और बद्रीनाथ धाम की ओर जाने वाले भक्तों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक तीर्थयात्रियों की बढ़ती भीड़ के कारण बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर कई जगहों पर जाम जैसी स्थिति पैदा हो गई, जिससे मंदिर की ओर जाने वाले भक्तों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रास्ते में गाड़ियों की संख्या बढ़ने के कारण कर्णप्रयाग और बद्रीनाथ के बीच कई जगहों पर लंबी कतारें देखी गईं। अधिकारी स्थिति पर नज़र रखे हुए हैं।

मणिशंकर के बयान पर सिब्बल का पलटवार: भारत ही क्यों करे शांति के लिए रियायत?

पूर्व विदेश सचिव ने कांग्रेस नेता को दिखा दिया आईना

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर के भारत-पाकिस्तान और भारत-चीन संबंधों को लेकर दिए बयान ने नई बहस छेड़ दी है। उनके बयान पर पूर्व विदेश सचिव कवेल सिब्बल ने तीखी प्रतिक्रिया देकर सवाल उठाया है कि क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए भारत ही क्यों एकतरफा रियायतें दे, जबकि पड़ोसी देश बदले में क्या देने को तैयार है? दरअसल पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर ने कहा था कि दक्षिण एशिया की एक मजबूत आवाज़ तभी सामने आ सकती है, जब भारत पाकिस्तान के साथ शांति स्थापित करे और चीन के साथ सीमा विवाद सुलझाए। उन्होंने जोर दिया कि इन दोनों मामलों का समाधान बातचीत से ही संभव है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर ने सवाल उठाया कि जब भारत सर्जिकल स्ट्राइक करने का साहस दिखा सकता है, तब फिर



पाकिस्तान के साथ बातचीत की मेज पर बैठने का साहस क्यों नहीं दिखाता। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर के बयान पर कवेल सिब्बल ने पलटवार कर लिखा कि भारत ने पाकिस्तान के साथ वर्षों तक बातचीत की है, इतना ही नहीं मुंबई

आतंकी हमले के बाद भी शांति की कोशिश की, लेकिन इसका कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने सार्क को भी प्रभावी रूप से निष्क्रिय कर दिया है। पूर्व विदेश सचिव सिब्बल ने सवाल किया कि

मौजूदा पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनिर के नेतृत्व में पाकिस्तान भारत के साथ शांति के लिए क्या रियायत देने को तैयार है, जबकि मुनिर दो-राष्ट्र सिद्धांत में विश्वास रखते हैं और हिंदू-मुस्लिम के बीच समानता के विचार को स्वीकार नहीं करते।

चीन को लेकर भी सिब्बल ने अय्यर की दलील पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच भी वर्षों से बातचीत जारी है, लेकिन इसके बावजूद ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि चीन सीमा विवाद को समान और न्यायसंगत आधार पर सुलझाने को तैयार है। पूर्व विदेश सचिव सिब्बल ने कहा कि शांति स्थापित करने का पूरा दायित्व भारत पर डालना उचित नहीं है, और यह मानना कि भारत ही समस्या पैदा करने वाला पक्ष है, एक अनावश्यक कूटनीतिक आत्म-भर्त्सना है।

छलका सीएम यादव का दर्द बोले- बहुत महंगी पड़ गई लाडली बहना

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लाडली बहना योजना को बहुत खर्चीली बताया हुए कहा कि मुख्यमंत्री बनने के समय उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि आर्थिक बोझ इतना भारी होगा। राजधानी भोपाल में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह बात हल्के-फुल्के अंदाज में कही, जिस पर राजनीतिक हलकों और सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव भोपाल के रवींद्र भवन में बुदेली समागम-2026 कार्यक्रम में छतरपुर की बुदेली कंटेन्ट क्रिएटर बिन्नी रानी के सवालों का जवाब दे रहे थे। जब बिन्नी ने बेटियों के लिए सरकार की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। सीएम यादव ने हंस्ते हुए कहा, मुझे क्या मामूली था कि मुख्यमंत्री बनते ही इतनी भारी मार पड़ती है, लाडली

बहना योजना बहुत खर्चीली साबित हुई। उन्होंने मजाकिया लहजे में आगे कहा, बेटा ये अंदर की बात है ज मुझे क्या पता था कि मुख्यमंत्री बनते ही ऐसी मार पड़ती है। मोहन यादव के इस बयान पर विपक्षी दल कांग्रेस ने तुरंत निशाना साधा। पूर्व कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस नेता उमंग सिंघर ने तंज कसते हुए कहा, चुनाव से पहले लाडली और सत्ता में आते ही परेशानी। यही है भाजपा का महिला सम्मान। कांग्रेस ने भाजपा पर महिलाओं के प्रति दोहरे रव्ये का आरोप लगाया, जिसमें चुनावी लाभ के लिए योजनाओं का वादा किया जाता है, लेकिन सत्ता में आने पर उनके वित्तीय बोझ पर चिंता व्यक्त की जाती है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने अपनी बात स्पष्ट करते हुए कहा कि बहनों के मामले में कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने लाडली बहना योजना के

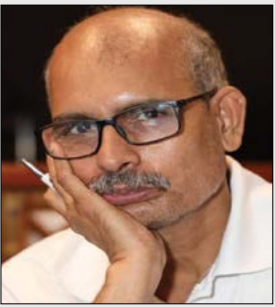
सफर का जिक्र किया, जो 1000 रुपये से शुरू हुआ था और अब 1500 रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने बिन्नी रानी से कहा, चिंता मत करो। अभी तुम लाडली बहना योजना के लिए योग्य नहीं हो। थोड़ी और बड़ी हो जाओ, फिर हम तुम्हें यह योजना दे देंगे। यह टिप्पणी उनके हल्के-फुल्के अंदाज को दर्शाती है। सोशल मीडिया पर भी सीएम के बयान पर खूब चर्चा हुई। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे बच्ची के साथ किया गया एक मजाक बताया और कांग्रेस पर चुनाव नजदीक आने के कारण अनावश्यक रूप से हमलावर होने का आरोप लगाया। वहीं, कुछ अन्य लोगों ने कहा कि सीएम यादव के मुंह से सच्चाई निकल आई है और यह योजना मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के लिए गले की हड्डी बन गई है।



की प्रधानमंत्री उम्मीदवारी को लेकर नए सिरे से बहस शुरू हो सकती है।हाल ही में ऐसी खबरें भी आई थीं कि द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम सांसद कनिमोई कांग्रेस के बिना तीसरे मोर्चे के लिए क्षेत्रीय दलों

को एकजुट करने का प्रयास कर रही हैं। इस संबंध में उन्होंने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी मुलाकात की थी, हालांकि इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी।

मोदी के 25 वर्ष : निर्णायक नेतृत्व से बदलते भारत तक



विनोद सिंह ‘तकियावाला’

मोदी के 25 वर्षों की शासन यात्रा को समझने के लिए गुजरात का दौर महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने प्रशासन को विकास की प्रयोगशाला के रूप में आगे बढ़ाया। आधारभूत संरचना, निवेश, औद्योगिक विकास, बिजली, सड़क और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में बदलाव पर जोर दिया गया। रही अनुभव बाद में केंद्र की नीतियों में भी दिखाई दिया। प्रधानमंत्री बनने के बाद शासन का दायरा गुजरात से निकलकर पूरे देश तक पहुंचा और निर्णयों का पैमाना भी उसी अनुपात में बढ़ा।

गुजरात के मुख्यमंत्री से देश के प्रधानमंत्री तक ढाई दशक की शासन-यात्रा, कैबिनेट के फैसलों में दिखाई देती नीति-निरंतरता और विकसित भारत के संकल्प की कहानी... भारत की राजनीति में ढाई दशक का समय किसी भी नेतृत्व की कार्यशैली, सोच और प्रशासनिक क्षमता को परखने के लिए पर्याप्त होता है। नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में शासन के 25 वर्ष पूरे होना इसी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी सभालने से शुरू हुई यह यात्रा आज प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की दिशा तय करने वाले नेतृत्व तक पहुंच चुकी है। इस लंबे कालखंड को केवल चुनावी सफलताओं के आधार पर नहीं, बल्कि शासन की निरंतरता, नीतिगत फैसलों और उनके दूरगामी प्रभावों के संदर्भ में देखना अधिक महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री मोदी की शासन शैली की एक प्रमुख विशेषता निर्णय लेने की स्पष्टता रही है। कैबिनेट की बैठकें इसी प्रशासनिक दृष्टिकोण का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। प्रत्येक कैबिनेट निर्णय अपने आप में केवल एक सरकारी प्रस्ताव की स्वीकृति नहीं होता, बल्कि वह सरकार की प्राथमिकताओं और भविष्य की दिशा का संकेत भी देता है। कैबिनेट ब्रीफिंग के माध्यम से जब सरकार अपने निर्णयों को देश के सामने रखती है तो उसमें अर्थव्यवस्था, आधारभूत ढांचा, ऊर्जा, शिक्षा, रोजगार, कृषि, सामाजिक सुरक्षा, विज्ञान-तकनीक और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों की समग्र तस्वीर दिखाई देती है।

मोदी के 25 वर्षों की शासन यात्रा को समझने के लिए गुजरात का दौर महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने प्रशासन को विकास की प्रयोगशाला के रूप में आगे बढ़ाया। आधारभूत संरचना, निवेश, औद्योगिक विकास, बिजली, सड़क और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में बदलाव पर जोर दिया गया। यही अनुभव बाद में केंद्र की नीतियों में भी दिखाई दिया। प्रधानमंत्री बनने के बाद शासन का दायरा गुजरात से निकलकर पूरे देश तक पहुंचा और निर्णयों का पैमाना भी उसी अनुपात में बढ़ा।

2014 के बाद केंद्र सरकार की कार्यशैली में कैबिनेट के फैसलों को मिशन आधारित दृष्टिकोण से जोड़ने की कोशिश स्पष्ट दिखाई दी। जनधन से वित्तीय समावेशन, स्वच्छ भारत से स्वच्छता, उज्ज्वला से रसोई गैस, आयुष्मान भारत से स्वास्थ्य सुरक्षा, प्रधानमंत्री आवास योजना से आवास, जल जीवन मिशन से नल से जल और डिजिटल इंडिया से डिजिटल सेवाओं तक अनेक योजनाओं ने शासन को सीधे नागरिकों के जीवन से जोड़ने का प्रयास किया।



मोदी सरकार की दूसरी महत्वपूर्ण विशेषता बड़े राष्ट्रीय लक्ष्यों को समयबद्ध कार्यक्रमों में बदलने की रही है। आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, राष्ट्रीय अवसरचना पाइपलाइन, गति शक्ति, सेमीकंडक्टर निर्माण, हरित ऊर्जा और विकसित भारत 2047 जैसे अभियानों में इसी सोच की झलक मिलती है। हाल के वर्षों में कैबिनेट के निर्णयों में भी उत्पादन क्षमता बढ़ाने, लाजिस्टिक्स को मजबूत करने, रेलवे और राजमार्गों का विस्तार करने तथा नवीकरणीय ऊर्जा को गति देने पर लगातार जोर दिखाई देता है।

भारत के बुनियादी ढांचे में आया परिवर्तन इस यात्रा का महत्वपूर्ण अध्याय है। रेलवे के आधुनिकीकरण से लेकर समर्पित माल गलियारों, वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों, नए हवाई अड्डों, एक्सप्रेसवे, बंदरगाहों और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी तक विकास का एक व्यापक नेटवर्क तैयार हुआ है। कैबिनेट द्वारा परियोजनाओं को मंजूरी देने के बाद उनके क्रियान्वयन की निगरानी और समयबद्ध पूरा करने पर भी सरकार का जोर रहा है। इससे शासन में केवल घोषणा के बजाय परिणाम को महत्व देने की प्रवृत्ति मजबूत हुई है। ऊर्जा क्षेत्र में भी पिछले वर्षों में नीति का फोकस बदलता दिखाई दिया है। भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हुआ है। सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, बैटरी भंडारण और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर जैसे कार्यक्रम भारत को भविष्य की ऊर्जा अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करने की कोशिश हैं। यह परिवर्तन केवल पर्यावरणीय चिंता तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा,

रोजगार, निवेश और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा से भी जुड़ा हुआ है।

डिजिटल शासन ने भी मोदी युग की प्रशासनिक पहचान बनाई है। आधार, मोबाइल और बैंक खाते के त्रिकोण से लेकर डिजिटल भुगतान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और सरकारी सेवाओं के ऑनलाइन विस्तार तक तकनीक को शासन का माध्यम बनाया गया। कोविड-19 के कठिन दौर में डिजिटल प्रणालियों ने सरकारी सहायता, टीकाकरण और भुगतान व्यवस्था को बड़े पैमाने पर संचालित करने में भूमिका निभाई। आज भारत का डिजिटल सार्वजनिक अवसरचना मॉडल दुनिया में चर्चा का विषय है।

विदेश नीति के क्षेत्र में भी पिछले 25 वर्षों की यात्रा को अलग दृष्टि से देखा जा सकता है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में निवेश और वैश्विक संपर्क पर जोर देने वाले नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में भारत की कूटनीतिक पहुंच को व्यापक बनाया। भारत ने एक ओर अमेरिका, यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत किए, वहीं दूसरी ओर रूस, पश्चिम एशिया, अफ्रीका और ग्लोबल साउथ के देशों के साथ भी सक्रिय संबंध बनाए। जी-20 की अध्यक्षता और भारत की वैश्विक भूमिका ने इस कूटनीतिक विस्तार को नई पहचान दी।

मोदी के शासन के 25 वर्ष केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों और फैसलों का मूल्यांकन निरंतर होना चाहिए। रोजगार, कृषि आय, सामाजिक असमानता, महंगाई, संस्थागत जवाबदेही और नीतियों के जमीनी क्रियान्वयन

जैसे सवाल लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा बने रहेंगे। यही लोकतंत्र की शक्ति है कि उपलब्धियों के साथ चुनौतियों पर भी चर्चा होती रहे।

फिर भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि ढाई दशक तक लगातार सत्ता और शासन की जिम्मेदारी सभालने वाले भारतीय नेताओं की सूची बहुत छोटी है। नरेंद्र मोदी का राजनीतिक जीवन इसलिए भी विशिष्ट है कि उन्होंने राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर लंबे समय तक प्रशासन चलाया है। मुख्यमंत्री के रूप में प्राप्त अनुभव ने प्रधानमंत्री के रूप में उनकी शासन शैली को प्रभावित किया और प्रधानमंत्री के रूप में प्राप्त राष्ट्रीय अनुभव ने भारत की विकास यात्रा को एक व्यापक वैश्विक संदर्भ दिया।

आज कैबिनेट ब्रीफिंग में जब किसी नई परियोजना, नीति या सुधार की घोषणा होती है तो उसके पीछे केवल तत्कालीन आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों की अर्थव्यवस्था और समाज को प्रभावित करने वाली सोच भी दिखाई देती है। यही कारण है कि कैबिनेट के फैसलों को मोदी के 25 वर्षों के शासन-अनुभव से जोड़कर देखा उपयोगी है। इन फैसलों में निरंतरता, विस्तार और भविष्य की तैयारी—तीनों तत्व दिखाई देते हैं।

ढाई दशक की यह यात्रा अब एक नए चरण में प्रवेश कर रही है। विकसित भारत 2047 का लक्ष्य सामने है। अगले वर्षों में भारत को दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति बनाने, विनिर्माण और तकनीक में आत्मनिर्भरता बढ़ाने, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने, हरित ऊर्जा की ओर बढ़ने और आधारभूत ढांचे को विश्वस्तरीय बनाने की चुनौती है। इन लक्ष्यों की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि नीतियां कितनी प्रभावी ढंग से जमीन पर उतरती हैं और शासन व्यवस्था कितनी जवाबदेह तथा जनेकेंद्रित रहती है। नरेंद्र मोदी के शासन के 25 वर्षों का सबसे बड़ा निष्कर्ष यही है कि उन्होंने भारतीय राजनीति में दीर्घकालिक लक्ष्य, निर्णायक निर्णय और प्रशासनिक निरंतरता को एक साथ जोड़ने की कोशिश की है। गुजरात से शुरू हुई यात्रा दिल्ली तक पहुंची और अब उसका लक्ष्य विकसित भारत है। कैबिनेट के निर्णय इस यात्रा के तत्कालीन पड़ाव हैं, जबकि 2047 का संकल्प उसकी दीर्घकालिक मंजिल।

इसलिए मोदी के 25 वर्ष केवल एक राजनीतिक उपलब्धि का आंकड़ा नहीं, बल्कि भारतीय शासन व्यवस्था में आए बदलावों को देखने की एक महत्वपूर्ण खिड़की हैं।आने वाला समय इन फैसलों और नीतियों के अंतिम परिणामों का मूल्यांकन करेगा, लेकिन यह निर्विवाद है कि पिछले 25 वर्षों में नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति और शासन की कार्यशैली पर अपनी एक अलग छाप छोड़ी है।

रूस की लैब में प्लेग के वायरस-सुरक्षा चूक या जैविक युद्ध की तैयारी?

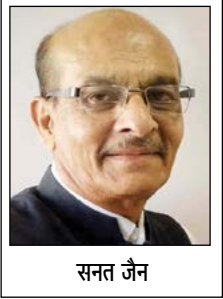
की पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए यह कहना, कि टेस्ट ट्यूब टूटने से ही प्लेग संक्रमण हुआ। उसी से महिला की मौत हुई, फिलहाल यह स्थापित तथ्य नहीं है। फिर भी सवाल गंभीर है। यर्सिनिया पेस्टीस नामक बैक्टीरिया ही प्लेग का कारण है। यह सामान्यतः छोटे स्तनधारियों और उनके पिसुओं में पाया जाता है। प्लेग का न्यूमोनिक रूप संक्रमित व्यक्ति से निकलने वाले श्वसन कणों के जरिए दूसरे व्यक्ति तक पहुंच सकता है। समय पर एंटीबायोटिक उपचार मिलने पर इसका इलाज संभव है। लेकिन इलाज में देरी अत्यंत घातक हो सकती है। जो मौत का कारण बन सकती है।

यही कारण है, दुनिया में ऐसी प्रयोगशालाओं के लिए अत्यंत कठोर सुरक्षा व्यवस्था बनाई गई है। हालिया वैज्ञानिक मैगिंग के अनुसार दुनिया में 3,625 बायोसल-3 और बायोसल-4 प्रयोगशालाएं चिह्नित की गई हैं। इनमें 3,515 बायोसल-3 और 110 बायोसल-4 की उन्नत सुविधाएं वाली लेब हैं। बायोसल-4 को अधिकतम स्तर की जैव-सुरक्षा वाली प्रयोगशाला माना जाता है। जहां अत्यधिक गंभीर जोखिम वाले बैक्टीरिया और वायरस के साथ तरह-तरह का प्रयोग किया जाता है। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। किसी लेब में खतरनाक वायरस या बैक्टीरिया पर शोध होना, जैविक हथियार बनाने का प्रमाण नहीं माना जाता है। संक्रामक रोगों की पहचान, वैक्सीन, दवाओं, निदान और महामारी की तैयारी के लिए ऐसे शोध आवश्यक होते हैं।

इसी की आड़ में जैविक हथियारों का एक नया खेल शुरू हो गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं उच्च- संक्रमण जोखिम वाले जैविकों के सुरक्षित अध्ययन के लिए जोखिम- आकलन और कड़ी जैव-सुरक्षा उपायों की आवश्यकता पर नियम भी बनाता है। दूसरी तरफ इस चिंता को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता है, दुनिया में बढ़ते सैन्य तनाव, रूस-यूक्रेन युद्ध, अमेरिका-चीन के बीच की प्रतिस्पर्धा, वैश्विक अविश्वास के दौर में जैविक अनुसंधान की पारदर्शिता और अंतरराष्ट्रीय निगरानी पहले से कहीं अधिक सुरक्षित और जिम्मेदार बनाने की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र के 1972 का बायोलाजिकल वेपनस कन्वेंशन जैविक एवं रासायनिक हथियारों के विकास, उत्पादन, अधिग्रहण, हस्तांतरण, भंडारण और उपयोग पर प्रतिबंध लगाता है। कोविड-19 के बाद दुनिया ने यह भी जाना है, किसी प्रयोगशाला की छोटी-सी सुरक्षा चूक से वास्तव में संक्रमण बाहर निकल जाता है तो उसका प्रभाव केवल एक शहर या देश तक सीमित नहीं रहता। हालांकि रूस की मौजूदा घटना को कोविड या वुहान लेब से जोड़ने का अभी कोई प्रमाण सामने नहीं आया है।

इसी तरह 2021 में ताइवान की किसी लेब में कर्मचारियों के संक्रमण को रूस की घटना के साथ जोड़ना भी बिना ठोस प्रमाण के उचित नहीं होगा। फिर भी चिंता इस बात की है, अमेरिका ने इराक के ऊपर रासायनिक हथियारों का जखीरा होने और रासायनिक हथियारों की आशंका

पर हमला किया था। युद्ध में इराक को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया था। वर्तमान स्थिति में जैविक हथियारों को लेकर भी इसी तरह की स्थिति बनती हुई दिख रही है] जो चिंता का सबसे बड़ा कारण है। इस पूरे मामले का सबसे बड़ा सबक यही है, खतरनाक रोग-जनकों पर शोध बंद करना सम्मत्ता का वास्तविक समाधान नहीं है। जैविक प्रशिक्षण में पारदर्शिता, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्र निरीक्षण, कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और निगरानी को मजबूत करना ही सम्मत्ता का समाधान हो सकता है। दुनिया को यह सुनिश्चित करना होगा, मानव जीवन बचाने के लिए बनाई गई प्रयोगशालाएं स्वयं मानवता के लिए खतरा न बन जाएं। रूस की घटना में जांच का निष्कर्ष चाहे जो निकले, एक सवाल पूरी दुनिया के सामने खड़ा है, क्या 21वीं सदी में परमाणु हथियारों की तरह जैविक अनुसंधान में अंतर्राष्ट्रीय जवाबदेही और निगरानी को अनिवार्य बनाने का समय आ गया है? दुनिया के शक्तिशाली देशों में जिस तरह की होड़ देखने को मिल रही है। ज्यादा पैसा और ज्यादा शक्ति के जवाब से ज्यादा प्रभाव की यह लड़ाई अब चरम पर पहुंच गई है। एक बार फिर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध जैसे हालात दिखने लगे हैं। ऐसी स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह के शोध पर विशेष निगरानी की जरूरत है। मानव जीवन की सुरक्षा के लिए सभी देशों को इस मामले में एकजुट होना चाहिए।



सनत जैन

रूस के साइबेरिया में इरकुत्स्क स्थित एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट की 28 वर्षीय, प्रयोगशाला कर्मचारी दार्या शिपिलोवा की मौत ने दुनिया का ध्यान एक बार फिर हाई-कंटेनेमेंट लैबोरेटरीज और जैव-सुरक्षा की ओर खींचा है। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है, काम के दौरान प्लेग बैक्टीरिया से भरी टेस्ट ट्यूब टूट गई थी। उसके बाद महामारी गंभीर रूप से बीमार हुई। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसके संपर्क में आए करीब 200 लोगों को निगरानी में रखे जाने की खबर सामने आई है। यहां सबसे जरूरी बात है, घटना को लेकर विरोधाभासी जानकारी मिल रही है। रूसी स्वास्थ्य निगरानी संस्था रोशपोटेबनादर का कहना है, महिला की मौत का कारण अभी ढूंढाजात निमोनियाह्व के वायरस हैं। जांच में उसके काम से जुड़े किसी सूक्ष्म जीव



नীরज कुमार दुबे

लखनऊ की राजनीति बड़ी अजीब चीज है। यहां सामने कुछ दिखाई देता है मगर असली खेल परदे के पीछे चल रहा होता है। बसपा सुप्रीमो मायावती और उनके भतीजे आकाश आनंद के मामले में भी कुछ ऐसा ही दिखाई दे रहा है। जिस आकाश आनंद को कुछ समय पहले मायावती ने पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था, आज वही आकाश आनंद फिर बसपा में लौट आए हैं और उन्हें दोबारा पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बना दिया गया है। ऊपर से कदनाई इतनी-सी है कि भतीजे ने माफ़ी मांगी, बुआ ने माफ़ कर दिया और परिवार फिर एकजुट हो गया। लेकिन यूपी की राजनीति में कहानी इतनी सीधी होती तो फिर राजनीति किस बात की है कि मायावती ने आकाश आनंद को वापस क्यों बुलाया और वापस बुलाकर उन्हें राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी ही क्यों दी? क्या यह आकाश पर भरोसा है, या फिर उस राजनीतिक संभावना को रोकने की कोशिश है जो उनके बाहर जाने के बाद पैदा हो रही थी?

याद कीजिए, जब मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी से बाहर किया था तो वह राजनीति में अकेले नहीं रह गए थे। उनके लिए दूसरे दलों के दरवाजे खुलने लगे थे। चंद्रशेखर आजाद ने उनके लिए जगह होने की बात कही। अखिलेश यादव से जब आकाश को समाजवादी पार्टी में लेने की संभावना पर सवाल हुआ तो उन्होंने भी

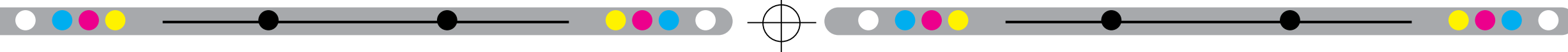
जिम्मेदारी का पर्यटन

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि हिमालय के संवेदनशील इलाकों में धार्मिक पर्यटन के लिये निकले लोग ऐसा व्यवहार करते हैं मानो यह क्षेत्र उनकी विलासिता की सैरगाह हो। वे अपनी सुख-सुखियाओं को प्राथमिकता देते हैं और इस इलाके के नैसर्गिक परिवेश से खिलवाड़ करते हैं। मिली सूचनाओं के अनुसार इस साल सितंबर के मध्य तक, चारधाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्री 800 टन से अधिक का कचरा वहां फेंक आए हैं। वही यदि हेमकुंट साहिब और वैली ऑफ फ्लॉवर्स का कचरा भी इसमें शामिल कर लें तो मात्रा और अधिक हो जाती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं में तीन हजार मीटर से ज्यादा ऊंचाई पर प्लास्टिक की बोतलें, रैपर और डिस्पोजेबल चीजें पायी गई हैं। निस्संदेह, इससे यही संकेत मिलता है कि यात्री इन धार्मिक स्थलों के आसपास ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे यह उनकी मौज-मस्ती की जगह हो। यह जानते हुए कि इन दुर्गम इलाकों में शहरों की तरह कचरे निपटान की पर्याप्त व्यवस्था और क्षमता नहीं है। सही मायने में यदि तीर्थयात्री किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर निकलें तो तीर्थयात्रा पर आध्यात्मिक छाप पड़नी चाहिए, न कि प्लास्टिक के कचरे की। यही वजह है कि संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों में धार्मिक पर्यटन का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल केदारनाथ धाम के हालिया आंकड़ों को चेतावनी की तरह लिया जाना चाहिए। बताते हैं कि अप्रैल से अगस्त के बीच इस तीर्थ स्थल पर तीर्थयात्रियों द्वारा छोड़ा गया 50.30 टन कचरा जमा हुआ। यह कचरा वर्ष 2023 से 2025 के बीच किसी भी पूरे साल में जमा हुए कचरे से कहीं ज्यादा पाया गया है। जो हिमालयी पारिस्थितिकीय संतुलन की दृष्टि से बेहद चिंता का विषय है। लेकिन तमाम तीर्थ यात्रियों के इस अराजक व्यवहार के विपरीत 'कैरी मी बैक' अभियान की पहल एक नई उमीद भी जगाती है। उल्लेखनीय है कि कैरी मी बैक मुहिम के तहत लगभग पांच हजार तीर्थयात्री इस इलाके में करीब 18 किलोमीटर के रास्ते में 12 टन से अधिक कंटेस्ट प्लास्टिक वापस नीचे लेकर आए हैं। निस्संदेह, यह पहल काबिले तारीफ व प्रेरणादायी है। ऐसी मुहिम तीर्थयात्रियों को पर्यावरण संरक्षण की पहल में भागीदार बनाती है। इसके बावजूद ये प्रयास एक जिम्मेदार पर्यटन नीति की जगह नहीं ले सकते। ऐसे में बड़ा प्रश्न यह है कि पहाड़ों तक इतना कचरा क्यों और कैसे पहुंचता है।

चिंतन-मनन

कौन है नीतिनिष्ठ व्यक्ति?

सदाचार एक व्यापक और सार्वभौम तत्व है। देशकाल की सीमाएं इसे न तो लिपक कर सकती हैं और न इसकी मौलिकता को नकार सकती हैं। जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश सबके लिए होता है, उसी प्रकार सदाचार के मूलभूत तत्व मानव मात्र के लिए उपयोगी होते हैं। कुछ व्यक्ति अपने राष्ट्र, कुल या परंपरागत आचार को विशेष महत्व देते हैं, किंतु यह अपनेपन का व्यामोह है। जो कुछ में कर रहा हूं, वह सदाचार है, इस धारणा की अपेक्षा व्यक्ति को ऐसी धारणा सुदृढ़ करनी चाहिए कि जो सत् आचरण है, वह मेरे लिए करणीय है। सदाचारी व्यक्ति नीतिनिष्ठ होता है। वह किसी भी स्थिति में नीति के अतिप्रणय को अपनी स्वीकृति नहीं दे सकता। नीतिनिष्ठ व्यक्ति को परिभाषित करते हुए कहा गया है- जिस व्यक्ति में अभय, मृदुता, सत्य, सरलता, करुणा, धैर्य, कर्तव्यनिष्ठ और व्यक्तिगत संग्रह का संयम और प्रामाणिकता होती है, वह नीतिमान कहलाता है। जो व्यक्ति सत्य के प्रति समर्पित होता है, अन्याय का प्रतिकार करते समय भयभीत नहीं होता, अपनी भूल ज्ञात होने पर उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं करता और कठिनतम परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार रहता है, वह अभय का साधक होता है। कोमलता का नाम मृदुता है। यह सामूहिक जीवन की सफलता का सूत्र है। इसके द्वारा व्यक्ति के जीवन में सरसता आती है। मृदु स्वभाव में लींच होती है, इस स्वभाव वाला व्यक्ति किसी भी वातावरण को अपने अनुकूल बना लेता है। सत्य का अर्थ है यथार्थता। जो तथ्य जैसा है उसे वैसा ही जानना, मानना, स्वीकार करना और निभाना सत्य है। सत्य की साधना कठिन अवश्य है, पर है आत्मतोष देने वाली। आर्जव सरलता का पर्यायवाची शब्द है। सरलता सदाचार की आधारभूमि है। इसी उर्वरा में सदाचार की पौध फलती-फूलती है। मायावी व्यक्ति कभी सदाचारी नहीं हो सकता। करुणा सदाचार का मूल है। जिस व्यक्ति के अंतःकरण में करुणा नहीं होती, वह अहिंसा के सिद्धांत को समझ नहीं सकता। अहिंसा के बिना समता का विकास नहीं होता।



संक्षिप्त

समाचार

आव्रजन कार्रवाई के एक साल बाद लाओस का नागरिक रिहा

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन की आव्रजन कार्रवाई के तहत एसवातिनी भेजे गए लाओस के नागरिक फोन चोमसावन को रविवार को एक साल से अधिक समय बाद अधिकतम सुरक्षा वाली जेल से रिहा कर दिया गया। उनके वकील टिन थान गुयेन के अनुसार, चोमसावन को जुलाई 2025 में चार अन्य प्रवासियों के साथ एसवातिनी भेजा गया था, जबकि उनका इस अफ्रीकी देश से कोई संबंध नहीं था। उन्हें सैन्य मालवाहक विमान से वहां पहुंचाए जाने से कुछ समय पहले ही बताया गया था कि उन्हें एसवातिनी भेजा जा रहा है। वकील के मुताबिक, चोमसावन अब लाओस भेजे जा रहे हैं और एसवातिनी से निकलकर जोहान्सबर्ग पहुंच चुके हैं। पांचों प्रवासियों ने अमेरिका में गंभीर अपराधों की सजा पूरी कर ली थी। मानवाधिकार समूह ह्यूमन राइट्स फर्सट के अनुसार, तीसरे देश भेजने की इस योजना के तहत करीब 500 प्रवासियों को उनके मूल देशों के अलावा अफ्रीकी देशों में भेजा गया है। एसवातिनी को 5.1 करोड़ डॉलर का भुगतान किया गया।

ईरान की दो-टूक, सात शर्तें पूरी हों तभी खुलेगा होर्मुज; गालिबाफ

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका के साथ जारी तनाव के बीच ईरान ने एक बार फिर होर्मुज को लेकर सख्त टिप्पणी की है। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालिबाफ ने रविवार को कहा कि अमेरिका के साथ जून में हुए अंतरिम समझौते में तय सात शर्तें पूरी होने तक होर्मुज को दोबारा नहीं खोला जाएगा। गालिबाफ का यह बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान को अपने कूटनीतिक प्रस्ताव पर वाशिंगटन का जवाब मिले कुछ दिन हो चुके हैं। गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका सार्वजनिक रूप से कुछ और कहता है, जबकि हाल में उसने अस्थायी के जरिये प्रस्ताव भेजे हैं। अब प्रक्रिया को लंबा खींचने और एकतरफा मांगें थोपने का दौर खत्म हो चुका है। ईरान का रुख स्पष्ट है। इस्लामाबाद में हुए समझौते के आधार पर तय सात शर्तें पूरी होने के बाद ही होर्मुज को जहाजों की आवाजाही के लिए खोला जाएगा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच होर्मुज जलमार्ग में एक बार फिर मालवाहक जहाज को निशाना बनाया गया।

जोखिमों की अनदेखी पर ओपनएआई के सेफ्टी लीडर रॉबिन्सन का इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ओपनएआई के सेफ्टी सिस्टम्स टीम के प्रमुख डेविड रॉबिन्सन ने पद से इस्तीफा दे दिया है। रॉबिन्सन ने जाते-जाते कंपनी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने इस्तीफे के साथ ही एक लेख भी लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि एआई कंपनियां नई और शक्तिशाली तकनीकों को विकसित करने में बिल्कुल भी सावधानी नहीं बरत रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि एआई के मामले में गलतियां करके सीखने का दौर अब खत्म हो चुका है, क्योंकि अब एक छोटी सी विफलता भी विनाशकारी हो सकती है। रॉबिन्सन ने आरोप लगाया कि सिलिकॉन वैली और ओपनएआई में बिना सोचे-समझे केवल आगे बढ़ने का एक 'अंधा आशावाद' चल रहा, जो इस खतरनाक तकनीक के लिए एक असुरक्षित माहौल तैयार कर रहा है। रॉबिन्सन ने कहा कि जैसे-जैसे एआई एप्लेट्स स्वायत्त हो रहे हैं, उनके लिए विमान या परमाणु संयंत्रों जैसी सख्त और बहुस्तरीय सुरक्षा प्रणालियां अपनाई जानी चाहिए।

श्रीलंका में राष्ट्रपति की माफ़ी रद्द होने के बाद बौद्ध भिक्षु को हिरासत में भेजा गया

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की एक अदालत ने रविवार को बौद्ध भिक्षु गलागोडा अठ्ठे ज्ञानसारा को हिरासत में भेज दिया। कई सप्ताह तक फरार रहने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी राष्ट्रपति से मिली माफ़ी रद्द किए जाने के करीब एक महीने बाद हुई। सिंहली-बौद्ध राष्ट्रवादी नेता और बौद्ध बाला सेना यानी फोर्सज ऑफ बुद्धिस्ट पावर के प्रमुख ज्ञानसारा को शनिवार रात गिरफ्तार किए जाने के बाद कोलंबो मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया। सितंबर में शीर्ष अदालत द्वारा उनकी 2019 की राष्ट्रपति माफ़ी को गैरकानूनी घोषित किए जाने के बाद से यह अधिकारियों से बच रहे थे। 2018 में ज्ञानसारा को अदालत की अवमानना और राजनीतिक कार्टूनिस्ट प्रणीत एकनातिलोडा की पत्नी संध्या एकनातिलोडा को आपराधिक धमकी देने का दोषी ठहराया गया था।

ईरान के साथ टकराव ट्रंप के कार्यकाल के बाद भी रह सकती है जारी, पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने जताई आशंका

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस में मिडिल ईस्ट से जुड़े मामलों के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ब्रेट मैकगर्क ने चेतावनी दी है कि ईरान के साथ चल रहा टकराव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बाकी कार्यकाल के दौरान जारी रह सकता है और अगली अमेरिकी सरकार को भी इससे निपटना पड़ सकता है। वहीं, ट्रंप प्रशासन का कहना है कि वह ईरान पर कूटनीतिक और सैन्य दोनों तरह का दबाव बनाए हुए है। राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में मिडिल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका के कोऑर्डिनेटर रहे ब्रेट मैकगर्क ने कहा कि उन्हें ईरान के साथ किसी बड़े और पूरी तरह समाधान वाले समझौते का फिलहाल कोई

साफ रास्ता नजर नहीं आ रहा। उन्होंने लंबे समय तक आर्थिक दबाव, बीच-बीच में सैन्य टीकराव और कुछ समय के लिए सीजनफायर होने की संभावना जताई। मैकगर्क ने सीएनएन के फ्रीड जकारिया से कहा, 'अगर मुझे अनुमान लगाना हो, तो यह मामला ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल के अखिर तक चलता रहेगा और फिर अगले राष्ट्रपति को भी ईरान को इस पुरानी समस्या से निपटना होगा। जिमी कार्टर के समय से ही लगभग हर अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान की इस व्यवस्था से जुड़ी चुनौती का सामना किया है।' उन्होंने कहा, 'यह लंबे समय से चली आ रही समस्या है। मैंने खुद अलग-अलग सरकारों के



दौरान इससे जुड़े मामलों पर काम किया है। मैकगर्क के मुताबिक, सात अक्टूबर 2023 को इराक़रायल पर हमला के हमले के बाद से मिडिल ईस्ट में ताकत का संतुलन 'बुनियादी तौर पर' बदल गया है। उन्होंने इसके बाद ईरान से जुड़े दो सैन्य अभियानों का जिक्र किया। इनमें ईरान के परमाणु ठिकानों के खिलाफ 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' और

इस साल 28 फरवरी से शुरू हुआ मौजूदा संघर्ष शामिल है। मैकगर्क ने कहा कि उनकी एक चिंता यह है कि हालिया संघर्ष की शुरुआत ऐसे मकसद से हुई, जिसमें सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य साफ तौर पर खुला रखा गया था। 'एक बार जब आप इस रास्ते पर आगे बढ़ जाते हैं, तो फिर यह तय करना बहुत मुश्किल हो सकता है कि इस टकराव को आखिर खत्म कैसे किया जाए।' मैकगर्क ने कहा कि उन्हें तब तक इस संघर्ष का कोई साफ अंत नजर नहीं आता, जब तक ईरान की राजनीतिक व्यवस्था अपने तौर-तरीकों और नीतियों में बड़ा बदलाव नहीं करती या फिर यह व्यवस्था किसी समय बिखर नहीं जाती। उन्होंने कहा,

'लेकिन मुझे लगता है कि ऐसी स्थिति आने में अभी काफी समय लगेगा।' फिलहाल मैकगर्क ने लंबे समय तक टकराव जारी रहने की संभावना जताई। 'मुझे लगता है कि हम ऐसे दौर में हैं, जो कुछ समय तक चलने वाला है। ईरान पर भारी आर्थिक दबाव रहेगा। बीच-बीच में दोनों तरफ से सैन्य कार्रवाई हो सकती है। कभी-कभी कुछ समय के लिए सीजनफायर या अंतरिम समझौते भी हो सकते हैं।' मैकगर्क के मुताबिक, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर कोई बड़ा समझौता होगा और भी मुश्किल नजर आता है। उन्होंने कहा कि तेहरान में फैसले लेने वाले अधिकारी शायद ईरान के परमाणु हथियार बनाने के करीब पहुंचने की स्थिति को अपने

लिए सबसे बड़ी सुरक्षा गारंटी के तौर पर देख रहे होंगे। उन्होंने कहा, 'इसलिए परमाणु मुद्दे पर समझौता हासिल करना बेहद मुश्किल होने वाला है। मैकगर्क का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने अलग से कहा कि ट्रंप प्रशासन ईरान के मामले में सैन्य और कूटनीतिक दोनों रास्ते खुले रखे हुए है। सीबीएस न्यूज के कार्यक्रम 'फेस द नेशन' में राइट से उन खबरों के बारे में पूछा गया, जिनमें कहा गया है कि अमेरिका खाड़ी देशों में तेल से जुड़े ठिकानों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त रक्षा उपकरण भेज रहा है और तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भी क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है।

रूस के ड्रोन हमलों के बीच कीव पहुंचे जर्मन

चांसलर मर्ज: एक अरब यूरो की मदद का एलान

कीव, एजेंसी। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने रविवार को कहा कि जर्मनी को डारकर यूक्रेन के समर्थन से पीछे नहीं हटया जा सकता। उन्होंने कीव की यात्रा के दौरान यूक्रेन के लिए 1 अरब यूरो यानी करीब 1.1 अरब डॉलर की अतिरिक्त सैन्य मदद का एलान किया। मर्ज की यह यात्रा ऐसे समय हुई, जब रूस ने कीव पर ड्रोन हमले किए। मर्ज और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की ने चार साल से जारी युद्ध में मारे गए सैनिकों के स्मारक का दौरा किया। इस दौरान यूक्रेन की राजधानी में बार-बार हवाई हमले के सायरन और धमाकों की आवाज सुनाई दी। दोनों नेता विज्ञान अकादमी भी गए। पिछले हफ्ते यहां हुए ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हुई थी। रूस ने हाल के हफ्तों में कीव और यूक्रेन के दूसरे शहरों पर ड्रोन हमले बढ़ा दिए हैं। इन हमलों में दूरसंचार, बिजली और परिवहन ढांचे के साथ-साथ सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। जेलेन्स्की के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में मर्ज ने कहा कि मॉस्को यूक्रेन के लोगों का हौसला तोड़ने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने ऊर्जा क्षेत्र की मरम्मत के लिए 350 मिलियन यूरो की मदद का भी एलान किया। मर्ज ने कहा कि जर्मनी यूक्रेन का सबसे मजबूत समर्थक बना हुआ है।

मर्ज ने कहा, हम ऐसा सिर्फ यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए नहीं कर रहे हैं। हम यह अपने हित में भी कर रहे हैं, क्योंकि यह यूरोप की सुरक्षा का मामला है। उन्होंने कहा कि रूस साइबर हमले

और दुष्प्रचार अभियान चला रहा है। ये हमले यूरोप की लोकतांत्रिक व्यवस्था को निशाना बना रहे हैं। मर्ज ने कहा, यह दिखाता है कि हम डरने वाले नहीं हैं। रूस ने हाइब्रिड युद्ध के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। रूस का कहना है कि ये आरोप रूस की विरोधी उम्माद का नतीजा हैं। अधिकारियों ने बताया कि मर्ज के साथ जर्मनी की कंपनियों के अधिकारी भी यूक्रेन गए थे। इन अधिकारियों ने यूक्रेन सरकार और कारोबारों के साथ 16 समझौते किए। इन समझौतों की कुल कीमत करीब 6.5 अरब यूरो है। इनमें यूक्रेन ने जर्मनी की कंपनी डील डिफेंस के साथ आईआरआईएस-टी एयर डिफेंस मिसाइलों की आपूर्ति का समझौता किया। इसके अलावा, हेंसोल्ड्ट के साथ रडार उपकरण और क्वांटम सिस्टम्स के साथ जेट ड्रोन इंटरसेप्टर की आपूर्ति का समझौता हुआ। जेलेन्स्की ने क्वांटम सिस्टम्स की ओर से बनाए गए एक जेट ड्रोन इंटरसेप्टर की तारीफ की। इसका नाम एसपीवाईएस बताया गया है। उन्होंने कहा कि इसके नतीजे उम्मीद के मुताबिक अच्छे रहे हैं। जेलेन्स्की ने कहा कि यूक्रेन और जर्मनी एक बड़े रक्षा समझौते के अंतिम रूप देने के करीब हैं। उन्होंने पहले कहा था कि इस समझौते में ड्रोन, मिसाइल और उनसे जुड़े सॉफ्टवेयर का उत्पादन शामिल होगा। गर्मियों से रूस हर दिन यूक्रेन के नागरिक और सैन्य ढांचे को निशाना बना रहा है। इन हमलों में दर्जनों तेज रफ्तार जेट इंजन वाले ड्रोन इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

ट्रंप के कामकाज से 70% अमेरिकी संतुष्ट नहीं: मिडर्टम चुनाव हार सकते हैं ट्रंप

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ उनकी अपनी रिपब्लिकन पार्टी में बगावत के संकेत दिखने लगे हैं। ट्रंप की लोकप्रियता घट रही है। पार्टी नेताओं को डर है कि मिडर्टम चुनाव में ट्रंप का साथ उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। नवंबर में होने वाले चुनाव से पहले कई रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप से दूरी बना रहे हैं। कुछ ने अपनी चुनावी वेबसाइट से ट्रंप और उनके 'अमेरिका फर्स्ट' एजेंडे का जिक्र हटा दिया है। कुछ नेता उनके साथ मंच साझा करने से भी बच रहे हैं। एपी-एनओआरसी सर्वे के मुताबिक, सिर्फ 30% अमेरिकी ट्रंप के कामकाज से खुश हैं। अर्थव्यवस्था पर उनकी अप्रुवल रेटिंग 26% है। महंगाई से निपटने के मामले में यह सिर्फ 17% है। 65% से ज्यादा अमेरिकी बढ़ती कीमतों के लिए ट्रंप की नीतियों को जिम्मेदार मानते हैं।

ट्रंप की नीतियों के खिलाफ कई रिपब्लिकंस : आयोग से



सांसद और सीनेट उम्मीदवार एश्ले हिंसन और मिशिगन के सीनेट उम्मीदवार माइक रोजर्स ने ईरान युद्ध जल्द खत्म करने की मांग की है। दोनों पहले ट्रंप की सैन्य कार्रवाई के समर्थक थे। आयोग के सांसद जैकन रहीं, जबकि कुल कामकाज से 10 में केवल 3 अमेरिकी ही संतुष्ट हैं। 65% से ज्यादा अमेरिकी लगातार ऊंची कीमतों के लिए सीधे ट्रंप की नीतियों को जिम्मेदार मान रहे हैं। 64% का कहना है कि टैरिफ के मामले में ट्रंप ज़रूरत से ज्यादा आगे चले गए। वहीं, रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए दिक्कत यह है

अर्थव्यवस्था है। 24 से 28 सितंबर के एपी-एनओआरसी सर्वे में केवल 17% अमेरिकियों ने कहा कि वे ट्रंप के जीवनयापन की लागत संचालने के तरीके से संतुष्ट हैं। अर्थव्यवस्था पर उनकी अप्रुवल रेटिंग सिर्फ 26% रही, जबकि कुल कामकाज से 10 में केवल 3 अमेरिकी ही संतुष्ट हैं। 65% से ज्यादा अमेरिकी लगातार ऊंची कीमतों के लिए सीधे ट्रंप की नीतियों को जिम्मेदार मान रहे हैं। 64% का कहना है कि टैरिफ के मामले में ट्रंप ज़रूरत से ज्यादा आगे चले गए। वहीं, रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए दिक्कत यह है

इसाइली सेना की कार्रवाई: युद्धविराम के बीच खान यूनिस में हमला, हमास के कमांडर समेत दो लड़के डेर

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल डिफेंस फोर्सज (आईडीएफ) ने रविवार (स्थानीय समय) को कहा कि उसने गाजा पट्टी के खान यूनिस इलाके में अलग-अलग हमलों में हमास की मिलिट्री विंग के एक कमांडर और ग्रुप की ऑब्जर्वेशन यूनिट के एक लड़के को मार गिराया।

टेलीग्राम पर एक बयान में, आईडीएफ ने कहा कि उसने रविवार को पहले खान यूनिस इलाके में हमला किया। हमास की मिलिट्री विंग के कमांडर मुआद जमाल अबू नुसेरा को मार गिराया। इसमें कहा गया है कि शनिवार को एक अलग हमले में, उसने महमूद इब्राहिम डिब अलथान को मार गिराया, जिसे उसने हमास की ऑब्जर्वेशन यूनिट का लड़का बताया। आईडीएफ के अनुसार, अलथान की पहचान हाल ही में 'येलो लाइन' इलाके में आईडीएफ सैनिकों के खिलाफ गतिविधियों को आगे बढ़ाने और हमास की क्षमताओं को बहाल करने के लिए काम करने वाले व्यक्ति के तौर पर हुई थी। आईडीएफ ने कहा कि यह युद्धविराम समझौते का व्यवस्थित उल्लंघन था।

आईडीएफ ने कहा कि हमलों से पहले नागरिकों को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए फंड जुटाने थे, जिसमें सटीक हथियारों और हवाई निगरानी का इस्तेमाल शामिल था।आईडीएफ ने आगे कहा कि समझौते के अनुसार दक्षिणी कमान के तहत सैनिक इलाके में तैनात हैं और वे उन खतरों के खिलाफ अभियान जारी रखेंगे जिन्हें उसने 'तत्काल खतरे' बताया है। आईडीएफ ने क्या आरोप लगाया? इससे पहले, आईडीएफ ने कहा कि उसने खान यूनिस इलाके



म था हमला किया और स़ाक़ नबील मूसा केसी को मार गिराया, जिसे उसने हमास का नुख्बा लड़का बताया। आईडीएफ ने कहा कि केसी 7 अक्टूबर के नरसंहार के दौरान इस्राइली इलाके में चुस आया था। इसके साथ ही आरोप लगाया कि वह तुर्की संसद 'डैनिज़ फेनेरी' का डायरेक्टर भी था, जो खुद को मानवीय सहायता संगठन बताता है। लेकिन असल में हमास लड़के संगठन के सीनियर नेताओं और तुर्की नेतृत्व के कुछ लोगों के साथ संबंध रखता है। आईडीएफ ने आगे आरोप लगाया केसी, 'संगठन में अपनी भूमिका के तहत, वह लड़के का निधन रूच से कई लड़कों को काम कर रहे थे, जिसमें अल हमास के लड़के को आर्थिक मदद देने का काम करता था। संगठन और उसके वरिष्ठ नेता अपनी गतिविधियों को मानवीय प्रयासों के तौर पर पेश करते हैं, लेकिन असल में वे हमास लड़के संगठन की मदद के लिए फंड जुटाने को बढ़ावा देते हैं।' आईडीएफ ने इस कथित गतिविधि को हमास की सैन्य गतिविधियों में मदद के लिए मानवीय क्षेत्र का गलत इस्तेमाल बताया। आईडीएफ ने कहा कि केसी ने युद्ध के दौरान उसके सैनिकों और इस्राइली नागरिकों के खिलाफ गतिविधियां तेज की थीं। हमास की क्षमताओं को फिर से बनाने का काम किया था।

आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड की दौड़ में शैफाली, चरणी और अटापट्ट शामिल

दुबई (एजेंसी)। भारत की शैफाली वर्मा और श्री चरणी के साथ ही श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्ट को सितंबर महीने के आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड की रैस में शामिल किया गया है। शैफाली वर्मा ने सितंबर के महीने में सात टी20 मैचों में कुल 360 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 72 और स्ट्राइक रेट 184.61 का प्रभावशाली रहा। बल्ले के साथ-साथ, शैफाली ने अपनी ऑफ-स्पिन गेंदबाजी से भी योगदान दिया और पूरे महीने में छह महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किए। महिला एशिया कप में वह पांच पारियों में 236 रन बनाकर टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर रहीं। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में 64 और श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में 68 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, जिससे भारत को रिकॉर्ड आठवां एशिया कप

खिताब जीतने में मदद मिली। जापान में हुए एशियाई खेलों में भी शफाली ने तीन पारियों में 188 रन बनाए। बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में, उन्होंने सिर्फ 49 गेंदों पर धमाकेदार 100 रन बनाकर अपने करियर का पहला टी20 शतक लगाया। वहीं, भारत की बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने पूरे सितंबर में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सात टी20 मैचों में कुल 18 विकेट लिए, जिसमें उनका गेंदबाजी औसत 4.83 और इकॉनमी रेट 3.30 रहा। महिला एशिया कप में चरणी ने भारत की खिताबी जीत में अपनी अहम भूमिका निभाई, जहां उन्होंने टूर्नामेंट में 12 विकेट हासिल किए। श्रीलंका के खिलाफ फाइनल 4/20 का उनका स्पेल मैच विजेता रहा। एशियन गेम्स में भी चरणी ने अपनी दबदबा कायम रखा,

जापान के खिलाफ 4/10, बांग्लादेश के खिलाफ 2/7 और श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में 2/13 के आंकड़े दर्ज करते हुए कुल आठ विकेट लिए। चरणी ने सितंबर के अंत में एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड भी बनाया, जब वह आईसीसी महिला टी20 प्लेयर रैंकिंग्स में 817 रेटिंग अंकों के साथ महिला क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा रेटिंग हासिल करने वाली गेंदबाज बन गईं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की मेगन शूट के 806 अंकों का रिकॉर्ड तोड़कर यह उपलब्धि हासिल की। इसके अलावा श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्ट भी इस अवॉर्ड की मजबूत दावेदार हैं। उन्होंने सितंबर में ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए सात टी20 में 226 रन बनाए, जिसमें उनका बल्लेबाजी स्ट्राइक रेट 140.37 रहा। साथ ही, उन्होंने अपनी ऑफ-स्पिन से 14 विकेट भी हासिल किए,



उनका गेंदबाजी औसत 10.21 रहा।

इस प्रकार, शफाली वर्मा की विस्फोटक बल्लेबाजी, श्री चरणी की रिकॉर्डिंग गेंदबाजी, और चामरी अटापट्ट के दमदार ऑलराउंड प्रदर्शन

ने प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड की दौड़ को बेहद रोमांचक बना दिया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि किसे ये अवॉर्ड मिलता है।

दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच बने गांगुली



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स ने आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र को देखते हुए भारतीय क्रिकेट के दिग्गज और पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को अपना नया मुख्य कोच बनाया है। फेंचाइजी को उम्मीद है कि गांगुली जैसे अनुभवी के कोच बनने से टीम आईपीएल 2027 सत्र में बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। गांगुली पहली बार आईपीएल में मुख्य कोच के तौर पर नजर आयेगे हालांकि वह पहले भी दिल्ली फेंचाइजी में डायरेक्टर रहे थे। उन्हें हेमंग बदानी की जगह मुख्य कोच बनाया गया है। बदानी पिछले दो साल से दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच थे पर टीम कुछ खास सफलता हासिल नहीं कर पायी। बदानी के अलावा, टीम ने गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल, सहायक कोच इयान वेल् और टीम डायरेक्टर वेणुगोपाल राव को भी हटाने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि गांगुली अपनी टीम को अपनी रणनीतिक सोच के अनुरूप ढालने के लिए अपना खुद का सहायगी स्टाफ बनाना चाहते हैं, जिसके चलते ये बड़े बदलाव किए गए हैं।

गौरतलब है कि दिल्ली कैपिटल्स के लिए पिछले दो आईपीएल सीजन बेहद निराशाजनक रहे थे। टीम आईपीएल 2025 में पांचवें और 2026 में छठे स्थान पर रही थी, दोनों बार प्लेऑफ में जगह बनाने में विफल रही। ऐसे में,

गांगुली जैसे अनुभवी और सफल लीडर की नियुक्ति को टीम के भाग्य को पलटने के एक बड़े प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। गांगुली साल 2019 से ही फेंचाइजी से जुड़े हुए हैं, जहां उन्होंने पुरुष और महिला दोनों टीमों में डायरेक्टर की भूमिका निभाई थी।

कोचिंग स्टाफ में गांगुली को पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज युवराज सिंह का साथ मिल सकता है, हालांकि इसकी अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हेड कोच के तौर पर गांगुली का यह पहला आईपीएल अनुभव होगा, लेकिन दक्षिण अफ्रीकी लीग एसए 20 लीग में प्रिटोरिया कैपिटल्स के हेड कोच रहते हुए वे अपनी टीम को फाइनल तक ले जाने में सफल रहे थे, जो उनके कोचिंग कौशल का प्रमाण है।

गांगुली ने इस नई भूमिका को लेकर खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स टीम का हेड कोच का पद संभालने को उत्साहित हूं। दिल्ली कैपिटल्स फेंचाइजी मेरे दिल के बहुत करीब रही है और पिछले सालों इसके साथ मेरे रिस्ते और मजबूत हुए हैं। उन्होंने एक मजबूत और निखर टीम बनाने का दावा किया, जो मैदान पर अपने प्रदर्शन से विरोधियों को चुनौती दे सके।

गांगुली दिल्ली कैपिटल्स की टीम में अक्षर पटेल और केएल राहुल जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के साथ काम करते दिखेंगे। इस सीजन से पहले टीम में एक और बड़ा बदलाव ऋषभ पंत की वापसी के रूप में हुआ है। पंत ने दो साल लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी की थी, लेकिन आईपीएल 2026 के समापन के बाद दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच हुए एक बड़े ट्रेड के तहत वे दिल्ली लौटे।

सूर्यकुमार को मुंबई की रणजी ट्रॉफी टीम में भी जगह नहीं मिली

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव जब से टीम से बाहर हुए हैं उनकी मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। यहां तक कि अब उन्हें मुंबई की रणजी ट्रॉफी टीम में भी जगह नहीं मिली है, जिससे उनके प्रथम श्रेणी करियर पर गंभीर संकट के बादल मंडा रहे हैं। ये इससे भी समझा जा सकता है कि मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) की चयन समिति ने आगामी रणजी ट्रॉफी सत्र के पहले मैच के लिए सूर्यकुमार से उनकी उपलब्धता पछ्छी थी। सूर्यकुमार ने 11 अक्टूबर से वापस खेड़े स्ट्रेडियम में चंडीगढ़ के खिलाफ होने वाले इस मुकाबले के लिए खेलने के लिए सहमति दी थी। इसके बाद भी उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया, जिसने चयन प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं।



मैच खेलकर अपनी लय हासिल करें और फिर टीम में वापसी करें। हालांकि, इस तर्क पर सवाल उठा रहे हैं कि जब चयनकर्ताओं को उनकी हालिया प्रथम श्रेणी फॉर्म का पता था, तो उन्होंने पहले उनसे संपर्क कर उपलब्धता क्यों पछ्छी? यह घटना चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता और सूर्यकुमार के प्रति रवैये पर संदेह पैदा करती है। पूर्व कप्तान सूर्यकुमार को जिस तरह से पहले कप्तानी से हटाकर टीम से बाहर किया गया और अब रणजी टीम में भी जगह नहीं दी गई, वह किसी साजिश की ओर इशारा कर रहा है। सूर्य के लिए यह एक बड़ा झटका है, जिससे उनके आत्मविश्वास पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

आईसीसी के सितंबर माह के प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए शुभमन, अभिषेक और रजा में होगा मुकाबला

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल के अलावा जिम्बाब्वे के अनुभवी ऑलराउंडर सिकंदर रजा को सितंबर 2026 में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नामांकित किया गया है। अभिषेक ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया था। उन्होंने इस सीरीज में 76.33 की शानदार औसत से कुल 229 रन बनाए। सीरीज के पहले मैच में ही उन्होंने सिर्फ 32 गेंदों पर 82 रन की तुफानी पारी खेलकर भारत को धमाकेदार जीत दिलाई थी। उनकी प्रतिभा का असली सबूत सीरीज के तीसरे मैच में देखने को मिला, जब उन्होंने महज 45 गेंदों पर 108 रन की ऐतिहासिक पारी खेली। इस दौरान उन्होंने सिर्फ 30 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो टी20 में सबसे तेज शतक का नया रिकॉर्ड बन गया। उनकी इस अद्भुत पारी में 11 छक्के शामिल थे और उनका स्ट्राइक रेट



317.64 रहा। अभिषेक की तुफानी बल्लेबाजी के दम पर भारत ने तीसरे मैच में पावरप्ले में 100/0 का रिकॉर्ड स्कोर खड़ा किया। उन्हें इस मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया और वह पूरी सीरीज के प्लेयर ऑफ द सीरीज भी रहे। इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरा स्थान मजबूत किया, जिससे उनकी पहचान एक उभरते हुए सुपरस्टार के रूप में स्थापित हुई।

वहीं भारतीय टीम के एक और सितारे, शुभमन गिल ने सितंबर माह में

एकदिवसीय क्रिकेट में अपना शानदार फॉर्म जारी रखा। वेस्टइंडीज के खिलाफ त्रिचननगपुरम में उन्होंने 108 गेंदों पर 110 रन की महत्वपूर्ण पारी खेलकर भारत को 296 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने में मदद की। यह गिल के एकदिवसीय करियर का 10वां शतक था। इसके अलावा, गिल ने सितंबर में एक और यादगार प्रदर्शन करते हुए मात्र 62 गेंदों में शतक और 117 गेंदों में दोहरा शतक पूरा किया, जिससे उन्होंने 223 रन की नाबाद पारी खेली। यह

सफल वनडे रन चेज में किसी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बन गया। कप्तान के रूप में भी उन्होंने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है।

वहीं जिम्बाब्वे के अनुभवी ऑलराउंडर सिकंदर रजा भी इस अवॉर्ड की दौड़ में शामिल हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में अपनी टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन किया। भले ही जिम्बाब्वे वह सीरीज हार गया, लेकिन रजा ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया। पहले वनडे में उन्होंने 57 रन बनाकर जिम्बाब्वे की पारी को संभाला, जो उनके अनुभव और कौशल का प्रमाण था। सितंबर के इस रोमांचक महीने में अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल और सिकंदर रजा तीनों ने ही अलग-अलग फॉर्म में अपने खेल से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है। उनके इन उत्कृष्ट प्रदर्शनों ने इस महीने के आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के मुकाबले को बेहद दिलचस्प बना दिया है।

विश्व कप से पहले 47 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम ने अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी के तहत ही भारतीय टीम अब विश्वकप से पहले कुल 18 टी20, 20 एकदिवसीय और 9 टेस्ट मैच खेलेगी, इससे विभिन्न प्रारूपों में खिलाड़ियों की क्षमता और अनुकूलनशीलता की असली परीक्षा होगी। इन अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के अलावा, विश्व कप में शामिल होने के लिए चयन वाले भारतीय खिलाड़ी प्रतिष्ठित आईपीएल और एशिया कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों में भी अपनी उतरेगें।। यह कार्यक्रम टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों दोनों के लिए कार्यभार प्रबंधन और चोट से बचाव की रणनीति बनाने में एक बड़ी चुनौती पेश करेगा। एकदिवसीय विश्व विश्व कप से पहले भारतीय टीम का यह व्यास्त कार्यक्रम मार्च 2027 तक चलेगा, जिसके बाद विश्व कप से ठीक पहले कुछ और अहम दौरे संभावित हैं। सितंबर और अक्टूबर 2026 में, भारतीय टीम अपने घर में तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की एक सीरीज खेलेगी। इसके तुरंत बाद, अक्टूबर और नवंबर 2026 में, टीम न्यूजीलैंड के दौरे पर जाएगी, जहां उसे पांच टी20, पांच एकदिवसीय और दो टेस्ट मैचों की एक लंबी सीरीज खेलनी होगी। वहीं दिसंबर 2026 में, भारतीय टीम तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज श्रीलंका के साथ खेलेगी। वहीं नए साल, यानी जनवरी 2027 की शुरुआत, भारतीय टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज से करेगी। जनवरी से मार्च 2027 के बीच, क्रिकेट प्रेमियों को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावरस्कर ट्रॉफी के तहत पांच टेस्ट मैचों की रोमांचक सीरीज देखने को मिलेगी। इस कड़ी टेस्ट सीरीज के बाद, भारतीय खिलाड़ी आईपीएल और एशिया कप जैसे टूर्नामेंटों की तैयारी में जुट जायेंगे। विश्व कप से ठीक पहले, भारतीय टीम के वेस्टइंडीज दौरे की संभावना भी प्रबल है, जहां टीम को पांच टी20, तीन एकदिवसीय और दो टेस्ट मैच खेलने पड़ सकते हैं। इसके अतिरिक्त, एकदिवसीय विश्व कप से ठीक पहले दक्षिण अफ्रीका का दौरा भी संभावित है, इस दौर पर दोनों टीमों के बीच छह वनडे मैच खेलें जाने की उम्मीद है।

हरमनप्रीत ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी से इस्तीफा दिया मंधाना को मिल सकती है कप्तान

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अचानक ही तीनों प्रारूपों की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। महिला क्रिकेट टीम को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने वाली हरमनप्रीत ने इस अवसर पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि यह फैसला उनके लिए आसान नहीं था। इस घोषणा के बाद, भारतीय महिला टीम की अगली कप्तान के नाम पर अटकलें तेज हो गई हैं, इसमें स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना सबसे आगे हैं। मंधाना लंबे समय से टीम की उप-कप्तान रही हैं और तीनों प्रारूपों में लगातार अच्छे प्रदर्शन कर रही हैं, इस कारण से उन्हें इस पद के लिए सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है।

अपनी पोस्ट में, हरमनप्रीत ने लिखा, आज, मैं सभी प्रारूपों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान के पद से हट रही हूं

हालांकि यह मेरे लिए कोई आसान फैसला नहीं था। उन्होंने अपने कप्तानी केको याद करते हुए कहा कि इसमें इसमें कई यादें, भावनाएं, त्याग और ऐसे पल शामिल हैं जो जितनी भर मेरे साथ रहेंगे। हरमनप्रीत ने कहा कि उन्होंने टीम को अपना सब कुछ दिया-अपना खून, अपना पसीना, अपना समय र कई बार, अपने खेल और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को भी एक टीम पहले आनी चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि एक कप्तान के रूप में, उन्हें मुश्किल फैसले लेने पड़े, जो हमेशा सफ़ाई में नहीं आए या आसान नहीं थे, और कभी-कभी उन्हें व्यक्तिगत कीमत भी चुकानी पड़ी। लेकिन हर फैसले का एक ही लक्ष्य था और वह ये कि टीम को बेहतर बनाना और अन्य खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेना।

हरमनप्रीत ने अपने कप्तानी करियर के

दौरान सबसे बुरे पल, दिल टूटना, संदेह और ऐसे दिन देखे जब कुछ भी टीम के पक्ष में नहीं गया, और साथ ही जीत, जयन्त, देश का प्रतिनिधित्व करने का गर्व और हर कुर्बानी के सफल होने के ऊंचे पल भी देखे। उन्होंने शांति और भावनाओं से भरे दिल के साथ कप्तानी छोड़ने की बात कही, क्योंकि उन्हें पुरा विश्वास है कि उनकी टीम अच्छी स्थिति में है प्रतिभा, चरित्र, विश्वास और भविष्य से भरी हुई है। अपनी पोस्ट के अंत में, उन्होंने लिखा, मुझे लगता है कि मैंने अपना फर्ज निभाया है। मैंने इस टीम को अपना सब कुछ दिया। अब, मेरे लिए पना पलटने का समय आ गया है। कप्तानी आज खत्म हो सकती है, लेकिन भारतीय क्रिकेट के लिए मेरा प्यार कभी नहीं होगा। उन्होंने सभी टीममेट्स, कोच, सपोर्ट स्टाफ, मैनेजमेंट, बोसोंसीआई, परिवार और प्रशंसकों का धन्यवाद किया।



हरमनप्रीत ने पिछले लगभग एक दशक से भारतीय महिला क्रिकेट को अपनी सेवाएं दी हैं, जिसमें उन्होंने 2016 में टी20 टीम की कप्तानी संभाली थी। उनकी अगुवाई में भारत ने एकदिवसीय विश्वकप के साथ ही कई एशिया कप खिताब और हाल ही में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है, जो उनकी कप्तानी की प्रमुख उपलब्धियां हैं। हरमनप्रीत ने कहा है कि अब वह बतौर खिलाड़ी भारतीय टीम को अपनी सेवाएं देती रहेंगी।

एबी डिविलियर्स को उम्मीद : 2027 विश्व कप दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि 2027 पुरुष वनडे विश्व कप, जिसे दक्षिण अफ्रीका जिम्बाब्वे और नामीबिया के साथ मिलकर होस्ट करेगा, देश के क्रिकेटर्स की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा। उन्होंने बताया कि कैसे 2003 में देश में हुए एडिशन ने 19 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने की चाहत रखने वाले उनके शुरुआती सफर को आकार दिया था। दक्षिण अफ्रीका 2 अक्टूबर को इस मेगा इवेंट की सह-मेजबानी करेगा। डिविलियर्स ने एक विशेष चैट में बताया, 2003 वर्ल्ड कप ने मेरे करियर में बहुत बड़ा रोल निभाया। मुझे याद है कि यूनिवर्सिटी ऑफ प्रिटोरिया में एक क्रिकेटिंग विलनिक में एडम गिलक्रिस्ट ने मेरी विकेटकीपिंग स्किल्स पर काम किया था। तीन साल बाद, मैंने उनके खिलाफ टेस्ट मैच और वनडे क्रिकेट खेला। उन्होंने आशा व्यक्त की कि 2027 वर्ल्ड कप का भी दक्षिण अफ्रीका के युवाओं पर वैसा ही असर पड़ेगा, जो एक दिन अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीद कर रहे हैं। डिविलियर्स ने इस आरोजन से इस आरोजन के आर्थिक लाभों और पर्यटन को बढ़ावा देने की क्षमता पर भी जोर दिया, साथ ही उम्मीद जताई कि प्रोटियाज टीम इस बार बेहतर प्रदर्शन करेगी, क्योंकि 2003 में उनका प्रदर्शन सतोषजनक नहीं था।

अर्जेंटीना के लिए आखिरी बार मैदान पर उतरेंगे लियोनेल मेस्सी, भावुक होगी विदाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी मंगलवार को अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए आखिरी बार मैदान पर उतरेगें। व्यून्स आयर्स में हजारों प्रशंसकों के जुटने वाले मैत्री मुकाबले को मेस्सी की विदाई के लिए खास बनाया गया है। इस मुकाबले को 'द नाइट डेट' नो वन वॉन्ट्स टू एंड' यानी 'वह रात जिसे कोई खत्म नहीं करना चाहता' नाम दिया गया है।

हजारों फैसल रहेगे मौजूद

39 वर्षीय मेस्सी के आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को देखने के लिए व्यून्स आयर्स के एस्टाडियो मोंनुगेल में हजारों प्रशंसकों के जुटने की उम्मीद है। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एफए) ने इस मुकाबले को सिर्फ एक फुटबॉल मैच के बजाय मेस्सी के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर को सम्मान देने वाला खास पल बताया है।

मेस्सी ने कहा - 'इन पलों की कभी महसूस होगी'

मेस्सी ने अर्जेंटीना की टीम से जुड़े और अपने आखिरी अभ्यास सत्र की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। उन्होंने लिखा कि ये ऐसे खास पल हैं, जिनकी उन्हें आगे कभी महसूस होगी। मेस्सी ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास का संकेत देते हुए कहा था कि अब समय आ गया है। इसके बाद, द्ध ने उन्हें एक आखिरी मुकाबला खेलने के लिए मनाया, ताकि उन्हें सम्मानजनक विदाई दी जा सके।

विश्व कप जीतना रहा करियर का सबसे बड़ा पल

मेस्सी ने 2022 में कतर में अर्जेंटीना को विश्व कप जिताने का अपने करियर का सबसे बड़ा सपना पूरा किया था। इस खिताब के साथ उन्होंने अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर डिएगो माराडोना की उपलब्धि की बराबरी भी की।

हालांकि, मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना जुलाई में लगातार दूसरी बार विश्व कप जीतने से चूक गया। न्यू जर्सी में खेले गए फाइनल में

अर्जेंटीना को स्पेन के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा।

अर्जेंटीना के लिए सबसे ज्यादा गोल

मेस्सी ने अर्जेंटीना के लिए अब तक 207 मुकाबले खेले हैं और उनके नाम 125 गोल हैं। वह राष्ट्रीय टीम के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। विश्व कप में भी मेस्सी के नाम 21 गोल दर्ज हैं। वह और उनके लंबे समय के प्रतिद्वंद्वी क्रिस्टियानो रोनाल्डो उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने छह विश्व कप में हिस्सा लिया है।

2016 के बाद बढता मेस्सी का अंतरराष्ट्रीय सफर

मेस्सी ने 2016 में कुछ समय के लिए अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम से संन्यास लिया था। हालांकि, इसके बाद उनका अंतरराष्ट्रीय करियर शानदार दौर में पहुंचा। उन्होंने 2021 और 2024 में कोपा अमेरिका का खिताब जीता, जबकि 2022 में अर्जेंटीना को विश्व कप चैंपियन बनाया।



इसके बाद अर्जेंटीना की टीम ने लगातार बड़े टूर्नामेंटों में शानदार प्रदर्शन किया।

क्लब फुटबॉल में इंटर मिामीली से जारी रहेगा सफर

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से विदाई के बाद मेस्सी क्लब स्तर पर खेलते रहेंगे। वह फिलहाल इंटर

मियामी का हिस्सा है। हाल ही में उन्होंने टीम के साथ कैम्पियोनेस कप जीता, जो क्लब के लिए उनका चौथा खिताब है। मेस्सी की अर्जेंटीना से विदाई के साथ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के एक ऐतिहासिक अध्याय का अंत होगा, लेकिन क्लब स्तर पर उनका सफर जारी रहेगा।

चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट : प्रशंसक की आंख में शॉट लगाने से मेदवेदेव हुए अयोग्य, जोकोविच फाइनल में पहुंचे



बीजिंग। यहां खेले गये चीन ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में रूसी टेनिस खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव का एक शॉट सीधे एक प्रशंसक की आंख में लगने से अयोग्य होकर बाहर हो गये। इससे सबिंयाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच सीधे टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए। यह घटना जब हुई तब मेदवेदेव सबिंयाई खिलाड़ी जोकोविच से 7-5, 5-3 से पीछे चल रहे थे। रूसी खिलाड़ी ने गुरुप्स में एक शॉट मारा जो सीधे रेटेंडर में बैठे एक दर्शक की आंख में लग गया। इस अप्रत्याशित हादसे से सभी लोग सकते में पड़ गये। ये हादसा तब हुआ जब मेदवेदेव एक अंक हारने से निराशा थे। उन्होंने बैकबोर्ड से टकराकर वापस आ रही गेंद पर इतनी तेजी से शॉट लगाया कि रेट सामने बैठे एक दर्शक की बाईं आंख में जा लगी। दर्शक तुरंत अपनी आंख पकड़कर दर्द से कराह उठा, जिससे खेल कुछ समय के लिए रुक गया। घायल दर्शक को तुरंत स्ट्रेडियम कर्मचारियों की मदद से उपचार के लिए बाहर ले जाया गया। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, अंपायर मोहम्मद लाहयाजी और एटीपी अधिकारियों ने मेदवेदेव को मैच से आगे खेलने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया। मेदवेदेव ने घटना के बाद नेट के पास आकर जोकोविच से हाथ मिलाया और कहा कि उन्हें इस घटना का बेहद दुख है और वह दर्शक को भी माफ़ी मांगना चाहते हैं। वहीं जोकोविच ने इस घटना पर अपनी संवेदनशीलता व्यक्त करते हुए मेदवेदेव के प्रति सहानुभूति जताई। साथ ही कहा कि साल 2020 यूएस ओपन में उन्हें भी इसी तरह एक लाइन जत को अनजाने में गेंद लगने के कारण अयोग्य घोषित किया गया था। जोकोविच ने कहा, मुझे उम्मीद है कि उस व्यक्ति को ज्यादा चोट नहीं आई होगी। दूसरी ओर मुझे डेनिलमेदवेदेव के लिए भी बुरा लग रहा है क्योंकि मैं अच्छी तरह जानता हूं कि किसी बड़े मैच में अयोग्य घोषित होने पर कैसा महसूस होता है। मुझे भरोसा है कि उसने जानबूझकर ऐसा नहीं किया होगा। ये एक मानवीय भूल थी।

पाक सरकार पर बरसे शास्त्री, बोले इमरान खान को तत्काल रिहा किया जाये

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर रवि शास्त्री ने पाकिस्तान सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि पाक टीम के पूर्व कप्तान इमरान खान को तत्काल जेल से रिहा किया जाये। शास्त्री ने पाकिस्तान सरकार द्वारा इमरान के साथ किए जा रहे व्यवहार को अमानवीय बताते हुए उसकी कड़ी निंदा की और कहा कि देश को पहला एकदिवसय विश्व कप दिलाने वाले खिलाड़ी को इस प्रकार का अपमान चाहिए। शास्त्री ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान की सरकार इमरान खान के साथ जो कर रही है, वह किसी भी मायने में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। शास्त्री ने इस स्थिति पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा, मैं कोई राजनेता नहीं हूं, लेकिन उनके साथ जिस तरह का सलूक किया जा रहा है, वह देश का वास्तव में हेरान करने वाला है। कोई भी किसी इंसान के साथ इस तरह का व्यवहार नहीं करता। इमरान के साथ इस समय जो हो रहा है, वह उसके बिस्फूल भी हकदार नहीं है। मुझे लगता है कि मैं सिर्फ अपने बारे में नहीं कह रहा, बल्कि पूरे विश्व में ऐसे कई क्रिकेटर होंगे जो मेरी इस बात का समर्थन करेंगे।

लक्ष्मण के रोल में दो बार रिजेक्ट हुआ, राम के रोल में चुना गया



‘यारिया’ से अपना एक्टिंग डेब्यू करने वाले देव शर्मा अभिनय की दुनिया में आने से पहले थिएटर और असिस्टेंट डायरेक्टर का अनुभव लेकर फिल्म मेकिंग और अभिनय की बारीकियां सीख चुके थे। ‘मुजाफ्फर नगर’, ‘जवंशन वाराणसी’, ‘बेखुदी’ जैसी कई फिल्मों में काम कर चुके देव इन दिनों चर्चा में हैं अपनी ताजा-तरीन फिल्म महाकाव्य ‘श्री रामायण कथा’ से। इस फिल्म में वे श्री राम की भूमिका में हैं।

सोशल मीडिया पर यह खबर सुर्खियों में है कि देव शर्मा को ‘रामायण’ में लक्ष्मण के किरदार के लिए एक नहीं, बल्कि दो बार रिजेक्ट किया गया था। अपनी नई फिल्म में भगवान राम का किरदार निभा रहे देव कहते हैं, ‘हां, यह सच है। ‘रामायण’ में श्रीराम का किरदार मिलने से पहले मैं दो बार लक्ष्मण के लिए रिजेक्ट हुआ था। पहली बार (आदि पुरुष) में मेरा लुक टेस्ट अच्छा गया था, लेकिन उस रोल के लिए 20-25 और लोग भी कोशिश

कर रहे थे। मुझे लगता है कि जिस कलाकार को चुना गया, उस दिन उसका अभिनय मुझसे थोड़ा बेहतर रहा होगा। दूसरी बार (रामायण) में भी बात कास्टिंग और शारीरिक बनावट के अनुपात की थी। अगर राम का किरदार निभाने वाला कलाकार 6 फीट 1 इंच का है और लक्ष्मण के लिए कोई 6 फीट 3 इंच का है, तो कद-काठी के अनुपात को देखते हुए उसे शुरुआत में ही रिजेक्ट किया जा सकता है, क्योंकि परंपरागत रूप से लक्ष्मण को कद में राम से छोटा दिखाया जाता है। इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि रणवीर कपूर ने मुझे उस रोल से निकलवाया या मेरे साथ किसी तरह का नेपोटिज्म हुआ।’

पहले लगा रामायण मेरी किस्मत में नहीं उन्होंने आगे कहा, ‘ऐसा कुछ नहीं था। कलाकारों के चयन के अपने मापदंड होते हैं और फैसला उन्हीं के आधार पर लिया जाता है। दो बार रिजेक्ट होने के बाद मुझे लगा कि शायद ‘रामायण’ मेरे नसीब में नहीं है और मैंने तय कर लिया कि अब यह नहीं करना। लेकिन फिर निर्देशक अभिषेक का फोन आया। मुझे लगा कि वह फिर लक्ष्मण के लिए बुला रहे हैं, तो मैंने साफ कह दिया कि अब मैं यह किरदार नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा, ‘मैं आपको लक्ष्मण

के लिए नहीं, राम जी के लिए बुला रहा हूं।’ उस पल लगा कि हम इंसान भगवान से छोटी-छोटी चीजें मांगते हैं, जबकि हमारी किस्मत में शायद उससे कहीं बड़ी चीज लिखी होती है। जिस किरदार के लिए मैं दो बार रिजेक्ट हुआ, आखिरकार उसी ‘रामायण’ में मुझे श्रीराम बनने का मौका मिला।’

कृष 3 में असिस्टेंट डायरेक्टर भी रहा

अभिनय की दुनिया में आने से पहले देव शर्मा राकेश रोशन के साथ ‘कृष 3’ में असिस्टेंट के तौर पर काम कर चुके हैं। वे बताते हैं, ‘जब मैं असिस्टेंट के रूप में जुड़ा, तो विशाखापट्टनम से ग्रेजुएशन करने और तेलुगु अच्छी होने का मुझे काफी फायदा मिला। फिल्म की शूटिंग साउथ के रामोजी राव स्टूडियो में हो रही थी और क्राउड मैनेजमेंट से लेकर लोकल लोगों से कम्यूनिकेट करने तक मेरी भाषा की जानकारी बहुत काम आई। राकेश सर इस बात से काफी इम्प्रेस थे कि हमारा कम्यूनिकेशन इतनी आसानी से हो जाता था। मेरे लिए यह किसी सुपरपावर से कम नहीं था। राकेश सर की सबसे खास बात उनकी विनम्रता और जमीन से जुड़ा होना था। उनके सेट पर आर्टिस्ट और क्रू के बीच कोई फर्क नहीं किया जाता था।’

अपने भीतर के राम को जगाने की जरूरत है

राम को लेकर की जाने वाली राजनीति पर वे कहते हैं, ‘देखिए, जो लोग राम या रामायण जैसे विषयों का इस्तेमाल सिर्फ राजनीति के लिए कर रहे हैं, उनका भला नहीं होने वाला। किसी भी विषय को किस तरह लिखा जा रहा है, उसका कटौत क्या है, उसे बनाने वाले की नीयत क्या है और वे कहना क्या चाहते हैं, यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। बचपन से हम अपने माता-पिता से संस्कार और सभ्यता सीखते हैं। हमारी संस्कृति, धरोहर और इतिहास हमें बेहतर इंसान बनने की सीख देते हैं। श्रीराम का चरित्र भी इन्हीं मूल्यों की मिसाल है, चाहे नारी सम्मान हो, त्याग हो, भाईचारा हो या जिम्मेदारी को समझकर उसे निभाना। ऐसी फिल्मों के जरिए हमें इन्हीं मूल्यों की बात करनी चाहिए। राम हर मन में बसते हैं, लेकिन रावण भी हर मन में मौजूद है। फर्क सिर्फ इतना है कि हमारी परवरिश, संस्कार और कर्म तय करते हैं कि हम अपने भीतर के राम को मजबूत करते हैं या रावण को हावी होने देते हैं। हमें अपने राम को बाहर खोजने की जरूरत नहीं, बल्कि अपने भीतर के राम को जगाने की जरूरत है।’



ब्रेकअप के बाद जिंदगी बदल गई है

अभिनेत्री उदिति सिंह इस समय रियलिटी शो ‘बिग बॉस-20’ में नजर आ रही हैं। शो के दौरान उदिति ने अपने एक्स-बॉयफ्रेंड और अभिनेता करण वाही के साथ रिलेशनशिप को लेकर खुलकर बात की। उदिति ने बताया कि कैसे ‘कोविड-19’ लॉकडाउन के दौरान उनका रिश्ता खराब होने लगा था। साथी कंटेस्टेंट स्काउट से बात करते हुए उदिति ने कहा कि अलग होने के बाद उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पूरी तरह बदल गई। उदिति ने कहा, ‘ब्रेकअप के बाद मेरे लिए यह एक तरह से वरदान साबित हुआ। क्योंकि उसके बाद मेरा पूरा करियर, मेरी पूरी लाइफ, सब कुछ बदल गया था।’ उन्होंने आगे बताया कि लॉकडाउन के दौरान उन्होंने और उनके एक्स-पार्टनर ने एक गोल्डन रिट्रीवर डॉग को अडॉप्ट किया था, जिसका नाम ‘नोआ’ है। उदिति सिंह ने कहा, ‘हमने लॉकडाउन में साथ में नोआ नाम का गोल्डन रिट्रीवर लिया था, तो उसी को लेकर हमारे बीच काफी झगड़े शुरू हो गए थे। उस वक्त कोविड भी था, तो हम दोनों पर सफाई का काफी काम रहता था। मेरा सफाई करने का तरीका अलग था और उसका अलग। फिर वह इस बात को लेकर थोड़ा डीमिनेट भी करता था और कहता था, ‘तुम्हें नहीं आता।’ क्योंकि वह उम्र को लेकर बहुत ज्यादा सोचता था, उसके लिए हर चीज ऐसी थी कि ‘तुमसे नहीं हो पाएगा। तुम्हें ये-वो नहीं आता।’, ‘तुम नोआ को नहीं संभाल पाओगी।’ तो मुझे लगता था कि मेरा पार्टनर बहुत डीमिनेटिव करने वाला है। उदिति ने आगे कहा, ‘ऐसा ही होता है, जब दो लोगों का एक होना नहीं लिखा होता है, तो बात-बात पर लड़ाई होती है और जब एक होना लिखा होता है, तब सब कुछ अच्छा होता है।’ उदिति का यह बयान ‘बिग बॉस 20’ के घर में करण के साथ अपने रिश्ते को लेकर पहले की गई बातों के बाद आया है। दोनों के रिश्ते के बारे में साल 2019-20 के आसपास सभी को पता था, उस वक्त करण ने उदिति के साथ तस्वीरें भी शेयर की थीं। बताया जाता है कि उनका रिश्ता काफी सीरियस था। उदिति ने पहले घरवालों को बताया था कि दोनों करीब ढाई साल तक साथ रहे थे और शादी तक की बात भी हुई थी।



कौन हैं ईशा रिखी

ईशा रिखी पंजाबी अभिनेत्री हैं। उन्होंने साल 2013 में आई फिल्म ‘जदू बॉयज पुत जदू दे’ से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह ‘हेमी गो लकी’, ‘अरदास’ और ‘मिंडो तसीलदारनी’ जैसी कई फिल्मों में दिखाई दीं।

लस्ट स्टोरीज 3 में सायरा बनकर छाई अदिति राव हैदरी

अदिति राव हैदरी इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई ‘लस्ट स्टोरीज 3’ को मिल रहे प्यार और सराहना का आनंद ले रही हैं। फिल्म में अभिनेत्री ने अपने समय से काफी आगे का किरदार निभाया है। सायरा के किरदार में अदिति न सिर्फ वासना, चाहत और महिला सुख की भावनाओं को बखूबी पर्दे पर उतारती हैं, बल्कि पिता और बेटी के रिश्ते की खूबसूरती को भी भावनात्मक रूप से दर्शाती हैं। अभिनेत्री ने अपने वास्तविक जीवन की एक याद को साझा करते हुए बताया कि गजराज राव के साथ इस रिश्ते को पर्दे पर निभाना उनके लिए बेहद निजी और भावुक अनुभव था। फिल्म में गजराज राव उनके ऑन-स्क्रीन ससुर के किरदार में नजर आते हैं। अदिति बताती हैं, जो कुछ कागज पर लिखा गया था, वह बहुत खूबसूरत था। लेकिन जाहिर तौर पर जब निर्देशक अपनी समझ और नजरिए को उसमें जोड़ते हैं और आपके सामने गजराज राव जैसे अभिनेता होते हैं, तो मेरे लिए यह रिश्ता बहुत ही कोमल और भावुक बन गया। कहानी में जो चीज मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह उस परिवार की प्रगतिशील सोच थी, जहां ससुर इस लड़की के साथ खड़े होते हैं और उसके सहयोगी बनते हैं। उन्होंने कहा, क्योंकि हर कोई कहता है, ‘ये तो हमारे घर की बच्ची है, ये तो

हमारी बेटी है।’ लेकिन 1987 के दौर में एक लड़की का अपने ससुर में एक ऐसे व्यक्ति को पाना, जिसके साथ वह अपने मन की बात साझा कर सके, मुझे लगता है कि यह वाकई बहुत खूबसूरत है। जैसा कि मैं हमेशा कहती हूं, कल ही यह बात मेरे मन में आई कि यह लगभग एक आदर्श प्रेम कहानी जैसी है, जहां इच्छाएं अधूरी हैं, लेकिन वे सभी बहुत सारे प्यार के साथ अधूरी हैं। वह आगे कहती हैं, एक लड़की का अपनी कला के जरिए अपना साहस तलाश पाना, मुझे यह भी बेहद अद्भुत लगता है। पति और ससुर, दोनों का इस सफर में उसका साथ देना बहुत खूबसूरत है, चाहे वह नृत्य हो, संगीत हो, लेखन हो, कविता हो या साहित्य। लड़कियों के लिए और हम सभी के लिए एही हमारी आवाज है। यह हमें अपने होने का एक ऐसा पहसास देता है, जो पूरी तरह हमारा है। अदिति ने कहा, मुझे जिंदगी में यह बात हमेशा बहुत खूबसूरत लगती है। इसलिए मुझे वह सीन बहुत पसंद आया, क्योंकि उसमें बहुत कोमलता थी। मेरे पिता का निधन उस समय हुआ जब उन्हें अभी और जीना चाहिए था। वह बीमार थे। इसलिए मेरे लिए माता-पिता और बच्चे के बीच का कोई भी सीन बहुत... बहुत ज्यादा मायने रखता है। वह मेरे लिए बेहद भावुक था। वह बहुत खूबसूरत था।



इस साल की शुरुआत में ईशा रैपर-सिंगर बादशाह से शादी करने को लेकर सुर्खियों में आई थीं। हालांकि, दोनों का रिश्ता पांच महीने ही चला और दोनों ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए अपने अलग होने का ऐलान भी कर दिया। इसके बाद ईशा ने ‘बिग बॉस 20’ में हिस्सा लिया था और अब वह वहां से भी बाहर हो गई हैं।



इश्वाक सिंह ने वाणी के साथ काम करने का अनुभव किया साझा

इन दिनों अपनी फिल्म ‘गांधारी’ को लेकर चर्चा में चल रहे इश्वाक सिंह ने ‘पाताल लोक’, ‘रॉकेट बॉयज’ और ‘बर्लिन’ जैसे प्रोजेक्ट्स में गंभीर और दमदार किरदार निभाए हैं। लेकिन अब अभिनेता एक अलग अंदाज में नजर आने वाले हैं। वह वाणी कपूर के साथ फिल्म ‘सर्वगुण संपन्न’ में रोमांटिक किरदार निभाते दिखेंगे। दोनों की यह पहली ऑनस्क्रीन जोड़ी होगी। फिल्म में काम करने के अनुभव को लेकर इश्वाक ने बताया, ‘शूटिंग का अनुभव बहुत अच्छा रहा। यह एक बेहतरीन टीम थी, को-एक्टर बहुत अच्छे थे और डायरेक्टर सोनाली भी बहुत प्यारी हैं। उनके साथ काम करने में बहुत अच्छा समय बीता।’ बता दें कि फिल्म की शूटिंग 2023 में पूरी हो गई थी, लेकिन रिलीज लंबे समय से टली हुई थी। इस बारे में पूछने पर अभिनेता ने कहा, ‘देखिए, फिल्म कब रिलीज होगी, फिलहाल मेरे पास इससे ज्यादा जानकारी नहीं है। अब जब टीजर भी आनाउस हो चुका है, मुझे पूरा यकीन है कि यह जल्द रिलीज होगी।’ वाणी कपूर के साथ

काम करने के अनुभव पर उन्होंने कहा, ‘वाकई में, फिलहाल मुझे इस फिल्म के बारे में बोलने की इजाजत नहीं। पर हाँ, उनके साथ काम करने में काफी अच्छा लगा। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को हमारी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री पसंद आएगी।’



किशोर न्याय बोर्ड लेखा भवन सिलवासा में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 06 अक्टूबर। डीएलएसए चेरपरर्सन श्रीमती वी पी इंगले और डीएलएसए सदस्य सचिव श्री एस. आर. निकम के मार्गदर्शन में आज सुबह 10 बजे को किशोर न्याय बोर्ड, लेखा भवन सिलवासा में सामान्य न्यूनतम कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में वकील राज भंडारी

ने अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के बारे में विस्तार जानकारी दी। एडवोकेट अनिल बागुल ने जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड में काम करने वाले पैनेल वकीलों के लिए कानूनी सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर बनाने की जानकारी दी। इसके बाद एडवोकेट प्रियांक जादव (एपीपी) ने नालसा की नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के पीड़ितों

को कानूनी सेवाएं और नशीले पदार्थों की समस्या को खत्म करने की योजना की जानकारी दी। डीएलएसए के सदस्य सचिव श्री सचिन निकम ने नालसा और डीएलएसए की जानकारी दी और दिए गए विषय के बारे में और समस्या के बारे में चर्चा की। इस प्रोग्राम में 30 से सीडब्ल्यूसी, समाज कल्याण विभाग के सदस्य और स्पेशल जुवेनाइल पुलिस

यूनिट सिलवासा कर्मचारी उपस्थित थे। इसी के साथ सीडब्ल्यूसी और समाज कल्याण विभाग के कर्मचारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जोशीजी, भोयाजी, गावितजी, और डीएलएसए के सहायक अधीक्षक अनिरुद्ध पगडे (सिविल कोर्ट सिलवासा) ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेरपरर्सन धर्मिष्ठा गज्जर ने वलसाड में अधिकारियों के साथ की बैठक

■ बच्चों के खिलाफ अपराध, अत्याचार या शोषण के मामलों में हेल्पलाइन नंबर 112 पर संपर्क करने की अपील



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वलसाड 6 अक्टूबर। गुजरात राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेरपरर्सन धर्मिष्ठा गज्जर ने आयोग के सदस्यों के साथ मिलकर वलसाड जिले के अधिकारियों के साथ बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की। वलसाड कलेक्ट्रेट में उन्होंने जिला कलेक्टर नितिन सांगवान, जिला विकास अधिकारी अतिराग चापलोट और जिला पुलिस अधीक्षक युवराजसिंह जाडेजा सहित अन्य अधिकारियों के साथ जिले में बाल सुरक्षा के लिए किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी की समीक्षा की।

चेयरपर्सन और सदस्यों-जिनमें कमलेश राठौड़, अमृता अखिया और सचिव डी.डी. कापड़िया शामिल थे। वलसाड जिले में शिक्षा और बच्चों की सुरक्षा जैसे मामलों पर जानकारी ली। बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेरपरर्सन ने कहा कि आयोग बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों के लिए समर्पित एक वैधानिक निकाय है। इसके मुख्य कार्यों में बाल अधिकारों के उल्लंघन या हनन के मामलों की जांच करना और इन अधिकारों के प्रभावी कार्याचरण को सुनिश्चित करने के लिए उपाय करना शामिल है। बच्चों के खिलाफ अपराध, अत्याचार या शोषण से जुड़े

मामलों में कृपया हेल्पलाइन नंबर 112 पर संपर्क करें। जिला कलेक्टर नितिन सांगवान ने कहा कि बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा को लेकर लगातार निगरानी की जा रही है। जिला विकास अधिकारी अतिराग चापलोट ने बताया कि लोक मंगलम चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से धरमपुर और करपाडा तालुका के गांवों में स्थानीय बोलियों में चलाने गए जागरूकता कार्यक्रमों से बाल विवाह को रोकने में सकारात्मक बदलाव आया है। जिला पुलिस अधीक्षक युवराजसिंह जाडेजा ने कहा कि बाल अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सड़कों और स्कूलों में विभिन्न

कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। बच्चों के पुनर्वास के बारे में जानकारी देते हुए बाल संरक्षण अधिकारी ने बताया कि वलसाड जिला में पिछले तीन वर्ष में वलसाड जिला के चिल्ड्रेन होम फॉर बॉयज खुध, नवसारी, चिल्ड्रेन होम गर्ल्स सुरत और स्पेशल एडॉप्शन एजेंसी खुध जैसी जगहों पर रखे गए 159 बच्चों में से 142 बच्चों का पुनर्वास किया गया है। यह पुनर्वास प्रक्रिया बाल कल्याण समिति के माध्यम से की जाती है। बैठक में जिले की आंगनवाड़ियाँ, स्कूलों और आश्रम शालाओं के कामकाज और सुविधाओं की समीक्षा भी की गई।

दीव पुलिस ने फर्जी भारतीय और पुर्तगाली पासपोर्ट मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार, मिली 4 दिन की पुलिस कस्टडी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 6 अक्टूबर। दीव पुलिस ने एक से अधिक फर्जी भारतीय पासपोर्ट और पुर्तगाली पासपोर्ट बनाने के बड़े फर्जीवाड़े मामले में जितेंद्रकुमार बारिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया जहां उसे 4 दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञापित के अनुसार पुलिस जांच में पाया गया कि आरोपी ने भारतीय पासपोर्ट बनवाने के लिए महाराष्ट्र से जारी एक फर्जी जन्म प्रमाण पत्र का इस्तेमाल किया था। उसने दो अलग-अलग नामों जितेंद्रकुमार बारिया और जयकुमार बारैया से दो भारतीय पासपोर्ट बनवाए। चौकाने वाली बात यह है कि दोनों पासपोर्ट में माता-पिता का नाम, आवासीय पता और फोटो

बिल्कुल एक समान थे। इसके अलावा मुंबई के मतदाता पंजीकरण कार्यालय से प्राप्त मतदाता सूची के आंकड़ों से पता चला है कि आरोपी अपने परिवार में भी अलग-अलग पहचान के तहत एक ही मतदाता के रूप में पंजीकृत था। मुंबई में पंजीकृत जयकुमार बारैया की पहचान का उपयोग करके आरोपी ने साल 2017 में भारतीय पासपोर्ट प्राप्त किया और फिर इसी नाम से साल 2022 में पुर्तगाली नागरिकता भी हासिल कर ली। पुलिस ने आरोपी जितेंद्रकुमार परबत बारैया के खिलाफ 20 जनवरी 2026 को दीव पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोपी जितेंद्रकुमार परबत बारैया के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 465,



466, 467, 468, 471 और 34 तथा पासपोर्ट अधिनियम 1967 की धारा 12(1)(बी) एवं जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969 की धारा 15(बी) के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने इसी मामले के तहत आरोपी जितेंद्रकुमार परबत बारैया, हाल पता-

घोघला, दीव को 6 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को आज कोर्ट में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने उसे 9 अक्टूबर 2026 तक यानी 4 दिनों के लिए पुलिस कस्टडी रिमांड पर सौंपने का आदेश दिया है। दीव पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

विशेष गहन पुनरीक्षण के पश्चात दीव जिले में 7 से 9 अक्टूबर तक चलेगा विशेष अभियान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 6 अक्टूबर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण/एसआईआर के उपरांत छूटे हुए तथा पहली बार मतदान करने वाले/युवा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए विशेष अभियान का आयोजन दीव जिले में किया जाएगा। मतदाता पंजीकरण एक सतत प्रक्रिया है। कोई भी व्यक्ति, जिसका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है अथवा जिसका नाम मतदाता सूची से हट गया है, वह निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार

किसी भी समय मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकता है। इस विशेष अभियान का उद्देश्य ऐसे पात्र मतदाताओं की पहचान कर उन्हें मतदाता सूची में पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराना है। दीव जिले में वणाकबारा ग्राम पंचायत, साउदावाड़ी ग्राम पंचायत, बुचरवाड़ा ग्राम पंचायत तथा झोलावाड़ी ग्राम पंचायत में यह विशेष अभियान 7 अक्टूबर से 9 अक्टूबर 2026 तक प्रातः 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। अभियान के दौरान सभी

बूथ लेवल अधिकारियों को उनके नाम के समक्ष निर्धारित स्थान पर उपस्थित रहकर पात्र मतदाताओं को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष रूप से ऐसे छूटे हुए पात्र मतदाताओं तथा पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं से अपील की गई है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए संबंधित बूथ लेवल अधिकारी से संपर्क करें तथा आवश्यक आवेदन प्रक्रिया पूरी करें। सभी संबंधित बूथ लेवल अधिकारियों

को निर्देशित किया गया है कि वे अभियान के दौरान निर्धारित स्थान एवं समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। साथ ही, उन्हें सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय, दीव द्वारा पात्र नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने मतदाता पंजीकरण से संबंधित जानकारी एवं सहायता के लिए निर्धारित अवधि में संबंधित बूथ लेवल अधिकारी से संपर्क करें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रियल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रियल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित। (समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)

श्री भंडारी ज्ञाति मंडल की 79वीं वार्षिक समान्य सभा संपन्न



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 06 अक्टूबर। श्री भंडारी ज्ञाति मंडल की 79वीं वार्षिक समान्य सभा साई दर्शन हॉल पारडी में आयोजित की गई। इस बैठक का आयोजन मंडल के अध्यक्ष चेतन शंकर पटेल और प्रबंध समिति ने किया था। बैठक में कई प्रतिष्ठित अतिथि शामिल हुए, जिनमें प्रसिद्ध उद्योगपति दिपिन अमृतलाल जाधव (सिलवासा), सिलवासा नगरपालिका कार्डेसिनर प्रतीककुमार वी. पटेल, देहली ग्राम पंचायत की उप-सर्पंच वैशालीबेनभंडारी और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगपति हेमंत पटेल (खेरगाम) शामिल थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन, प्रार्थना और स्वागत गीत के साथ हुई। इसमें मुंबई से लेकर बुहारी तक के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। जिनमें संरक्षक सदस्य, आजीवन/आमंत्रित/समाज सुधारक सदस्य, विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष और पदाधिकारी, मेधावी छात्र, समुदाय के प्रमुख लोग और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। पिछली आम



बैठक का विवरण पढ़ा गया और सदस्य कमलेशभाई ने वर्ष 2025-26 की ऑडिट रिपोर्ट पेश की। इसके बाद खातों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। इसके बाद, उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने विचार व्यक्त किया कि समुदाय को बाहरी हस्तक्षेप की मांग करने से पहले आपसी मतभेदों-चाहे वे वैवाहिक विवाद हों, तलाक के मुद्दे हों या भूमि संबंधी झगड़े को आंतरिक मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाने की पहल करनी चाहिए। उन्होंने संगठन की सेवा-उन्मुख

गतिविधियों, जैसे रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण अभियान और छात्र सेमिनार के महत्व पर भी प्रकाश डाला। दिपिन जाधव ने समुदाय के होनहार लोगों, पदाधिकारियों, समिति के सदस्यों और समाज सेवा के नेताओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। संगठन के अध्यक्ष चेतन पटेल ने समाज सुधार के उद्देश्य से नए नियम लागू करने की अपील की और समुदाय के दानदाताओं से आग्रह किया कि वे भविष्य में जमीन खरीदने और एक आधुनिक सामुदायिक हॉल

के निर्माण के लिए उदारतापूर्वक योगदान दें। ट्रस्टी दिलीपभाई, नीलेशभाई, गिरीशभाई और जगदीशभाई ने वहाँ मौजूद सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। हर साल की परंपरा के अनुसार, मेसवी, सान्नी और माही जैसी युवा लड़कियों की समर्पित सेवा की बहुत सराहना की गई। पूरे कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष नेहल पटेल और रिटायर्ड शिक्षक अरविदभाई ने किया। अंत में कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

दादरा नगर हवेली में 7 अक्टूबर से होंगे मतदाता पंजीकरण के लिए विशेष शिविर

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 6 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन के चुनाव विभाग द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने

से छूटे हुए पात्र नागरिकों, विशेषकर 18 से 21 वर्ष के युवाओं के लिए चार दिवसीय विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह विशेष शिविर 7 अक्टूबर 2026 (बुधवार) से 10 अक्टूबर 2026 (शनिवार) तक रोजाना सुबह 10:30 बजे से शाम 05:00 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। नागरिकों की सुविधा

के लिए जिले के अलग-अलग 22 प्रमुख क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों और पंचायत हॉलों में पंजीकरण केंद्र स्थापित किए गए हैं। दादरा नगर हवेली जिले की सभी ग्राम पंचायतों के लिए संबंधित विस्तार के स्कूलों एवं पंचायत घरों में विशेष मतदाता पंजीकरण शिविर आयोजित किये जाएंगे। मतदाता पंजीकरण

अधिकारी अमित कुमार ने सभी पात्र नागरिकों और पहली बार वोट देने वाले युवाओं से अपील की है कि वे अपने नजदीकी शिविर में जाकर इस अभियान का लाभ उठाएं और मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित करें। सहायता के लिए नागरिक अपने संबंधित बूथ लेवल अधिकारी से भी संपर्क कर सकते हैं।

दीव के वात्सल्य संस्था में मनाया गया सेरेब्रल पाल्सी दिवस



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 6 अक्टूबर। दीव के घोघला स्थित मनोदिव्यांग बच्चों के वात्सल्य स्कूल में आज सेरेब्रल पाल्सी दिवस मनाया गया। सेरेब्रल पाल्सी दिवस के दौरान आज सुबह 10 बजे वात्सल्य संस्था के गेट के पास एक कार्टर लगाया गया और मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों ने सड़क पर चल रहे राहगीरों, पुलिस कर्मियों एवं अधिकारियों को सेरेब्रल पाल्सी हरा रिउन, जागरूकता पंपलेट और गुलाब दिये गये। इसके बाद वात्सल्य संस्था में एक कार्यक्रम हुआ। जिसमें डिप्टी कलेक्टर शिवम मिश्रा भी मौजूद रहे। इसके साथ ही संस्था के पदाधिकारियों और मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों ने सेरेब्रल पाल्सी दिवस मनाने के लिए केक काटा। इस मौके पर वात्सल्य संस्था के वाइस चेरमैन डी.एस. कामलिता, सेक्रेटरी किशोर कापड़िया, वाइस सेक्रेटरी राजू दवे, ट्रेजरर उस्मान वीरा सहित बड़ी संख्या में दिव्यांग बच्चे मौजूद रहे।



दीव में वन्यजीव सप्ताह-2026 के तहत नक्षत्र वन में आयोजित हुई क्रिज स्पर्धा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 6 अक्टूबर। दीव में 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2026 तक वन्यजीव सप्ताह-2026 मनाया जा रहा है। जिसके तहत आज दीव के दगावी में वाइल्डलाइफ और नेचर पर एक क्रिज स्पर्धा आयोजित की गई। जिसमें दीव कॉलेज एनएसएस और एनसीसी के स्टूडेंट्स ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। दीव के दगाची में नक्षत्र वन में हुई इस स्पर्धा में पहला, दूसरा और तीसरा स्थान पाने वाले स्पर्धकों को प्रोत्साहित भी किया गया। वन्यजीव सप्ताह मनाने का मुख्य



मकसद आज के युवा स्टूडेंट्स को वाइल्डलाइफ के संरक्षण के लिए उनकी जिम्मेदारी के बारे में जानकारी देना, जंगलों और जानवरों के बारे में जानकारी

हासिल करना रहा। इस साल वन्यजीव सप्ताह की थीम आवासों को जोड़ें, वन्यजीवों को समृद्ध करें रखी गई है। इस थीम के तहत वन्य जीवों के

प्राकृतिक आवासों को बचाने के महत्व और अलग-अलग आवासों के बीच कनेक्शन के बारे में लोगों में जागरूकता फैलाई गई।